

समस्त देश-प्रदेशवासियों को विजयादशमी (दशहरा) की हार्दिक शुभकामनाएं।

अवकाश सूचना

विजयादशमी के अवसर पर मीडिया ऑडिटर कार्यालय 20 अक्टूबर 2026 मंगलवार को बंद रहेगा।

अगला अंक दिनांक 21 अक्टूबर 2026को प्रकाशित होगा।

संपादक

: व्रीफ वॉक्स :

जयपुर में ओले गिरे, म.प्र. के 11 जिलों में बारिश

केदारनाथ-बद्रीनाथ में तापमान माइनस में; चेन्नई में सड़कों पर पानी भरा


नई दिल्ली, एजेंसी। राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर बना हुआ है। जयपुर और अजमेर में रविवार को कई इलाकों में बारिश हुई और ओले भी गिरे। वहीं, पिछले 24 घंटे में मध्य प्रदेश के इंदौर-उज्जैन समेत 11 जिलों में बारिश हुई। उत्तराखंड में ठंड का असर बढ़ने लगा है। मसूरी और नैनीताल में न्यूनतम तापमान 12एच से नीचे दर्ज किया जा रहा है। वहीं, केदारनाथ और बद्रीनाथ में टेम्परेचर माइनस में है। तमिलनाडु के कोयंबटूर और चेन्नई में भारी बारिश हो रही है।

वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी को अस्पताल से मिली छुट्टी


नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी के स्वास्थ्य पर बड़ा अपडेट सामने आया है। अपोलो अस्पताल ने एक प्रेस बयान में जानकारी दी कि एल्के आडवाणी, जिन्हें छाती में संक्रमण के कारण 16 अक्टूबर को अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था, उन्हें आज छुट्टी दी जा रही है। वे न्यूयॉर्क की सीनियर कंसल्टेंट डॉ. विनोत सूरी की देखरेख में थे और उनकी स्वास्थ्य स्थिति में सुधार हुआ है। जानकारी के मुताबिक, 98 वर्षीय दिग्गज नेता लालकृष्ण आडवाणी को सीने में संक्रमण (चेस्ट इन्फेक्शन) और उम्र से जुड़ी अन्य स्वास्थ्य समस्याओं के कारण अस्पताल लाया गया था।

थौबल में दो समुदायों के बीच झड़प में एक की मौत और तीन घायल


थौबल (मणिपुर) एजेंसी। मणिपुर के थौबल जिले में रविवार देर रात मैतेई और मैतेई पांगल समुदायों के सदस्यों के बीच हुई हिंसक झड़प में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। हिंसा के दौरान कई घरों और वाहनों को भी आग के हवाले कर दिया गया। स्थिति को और बिगड़ने से रोकने के लिए जिला प्रशासन ने प्रभावित इलाकों में निषेधाज्ञा लागू करने के साथ सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। सूत्रों के अनुसार, अज्ञात उपद्रवियों की गोलीबारी में छई लगने से लैशराम राकेश (24) गंभीर रूप से घायल हो गया था। बाद में उसकी मौत हो गई। घटना में कम से कम तीन अन्य लोग भी घायल हुए हैं।


वॉशिंगटन, एजेंसी। फ्रांस में छत्र प्रदर्शनों के पीछे वैश्विक वामपंथी संगठनों के नेटवर्क की भूमिका होने का दावा किया गया है। फॉक्स न्यूज डिजिटल की 9 अक्टूबर को प्रकाशित एक जांच रिपोर्ट के मुताबिक, फ्रांस के छत्र आंदोलन और उससे जुड़े समर्थक नेटवर्क में 50 संगठनों की पहचान की गई है। रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि कम्युनिस्ट, समाजवादी और वामपंथी संगठन स्कूलों की स्थिति को लेकर हो रहे प्रदर्शनों के जरिए अपने व्यापक राजनीतिक और वैचारिक एजेंडे को आगे बढ़ रहे हैं। फॉक्स न्यूज डिजिटल ने जिन 50 संगठनों का विश्लेषण किया, उनमें से 15 छत्र या युवा संगठन हैं। बाकी 35 संगठनों में श्रमिक संघ,

फ्रांस में प्रदर्शनों के पीछे वैश्विक वामपंथी संगठन?

● भारत में भी हिंसा भड़काने की साजिश, रिपोर्ट में दावा


कम्युनिस्ट और समाजवादी संगठन, राजनीतिक दल, नागरिक अधिकार समूह और अन्य अभियान चलाने वाले संगठन शामिल हैं। अमेरिका से भारत तक मिले नेटवर्क के तार: रिपोर्ट में कहा गया है कि इस नेटवर्क का विस्तार फ्रांस से आगे अमेरिका, ब्रिटेन, ग्रीस, ब्राजील और भारत तक है। इसमें शामिल संगठन समर्थकों को जुटाने, हड़तालों की अपील करने और अंतरराष्ट्रीय मीडिया के जरिये प्रदर्शनों को बढ़ावा देने का काम कर रहे हैं। शुरुआत में शिक्षा से जुड़ी शिकायतों पर केंद्रित इस आंदोलन में बाद में ऐसे समूह भी शामिल हो गए, जिनके राजनीतिक उद्देश्य पूंजीवाद, सरकारी खर्च में कटौती, पुलिस व्यवस्था, सैन्य खर्च और इस्त्राईल से जुड़े मुद्दों तक फैले हुए हैं। संगठन के एक्स अकाउंट पर भारत में हुए प्रदर्शनों से संबंधित कई पोस्ट भी हैं। 6 अक्टूबर को संगठन ने लोकसभा में बिपक्ष के नेता राहुल गांधी को हिरासत में लिए जाने का एक वीडियो साझा किया।

भारत से जुड़े संगठन का भी जिक्र...
फॉक्स न्यूज डिजिटल की रिपोर्ट में फ्रांस स्थित संगठन इंडियन अलायंस पेरिस का भी जिक्र किया गया है। यह संगठन छात्रों, शोधकर्ताओं और पेशेवरों से जुड़ा है। रिपोर्ट के अनुसार, इस संगठन ने सोशल मीडिया पर फ्रांस में हो रहे प्रदर्शनों का समर्थन किया और उनकी तुलना भारत में हुए छात्र प्रदर्शनों से की। रिपोर्ट के मुताबिक, संगठन ने एक्स पर एक संदेश पोस्ट करते हुए दोनों देशों के युवाओं के समर्थन में लिखा, 'जैन जी के नाम : फ्रांस में।

आज बुराई पर अच्छाई की जीत का पर्व दशहरा

● काशी में 75 फीट का रावण जलेगा ● दिल्ली में रावण के साथ 30 फुट का कॉकरोच भी जलेगा



नई दिल्ली/वाराणसी, एजेंसी। बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक दशहरा इस बार 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा। दशमी तिथि 20 अक्टूबर की सुबह 9:10 बजे शुरू होकर 21 अक्टूबर की सुबह 10 बजे तक रहेगी। काशी के ज्योतिषाचार्य BMU के ज्योतिष विभाग के प्रोफेसर पं. सुभाष पांडेय के

मुताबिक, धर्मशास्त्रों में विजयादशमी के लिए केवल उदायातिथि ही नहीं, बल्कि श्रवण नक्षत्र और अपराह्न काल का भी महत्व है। शास्त्रीय गणना के अनुसार, 20 अक्टूबर को ही दशहरा मनाया उचित है। इसी दिन शाम को रावण दहन होगा। दशहरा पर शस्त्र और शमी के पोथे की पूजा का भी विधान: विजयादशमी का पर्व केवल रावण दहन तक सीमित नहीं है। इस दिन शस्त्र पूजा की भी प्राचीन परंपरा रही है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, विजयादशमी को शक्ति, साहस और विजय का

प्रतीक माना जाता है। इसी वजह से कई स्थानों पर लोग अपने अस्त्र-शस्त्र, वाहनों और काम में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों की पूजा करते हैं। पौराणिक कथाओं के अनुसार, महाभारत काल में पांडवों ने अपने अज्ञातवास के दौरान अस्त्र-शस्त्र शमी के वृक्ष में छिपा दिए थे। अज्ञातवास पूरा होने के बाद उन्होंने आश्विन शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को शमी के वृक्ष से अपने शस्त्र निकाले और उनकी पूजा की थी। इसी मान्यता के आधार पर विजयादशमी पर शस्त्र पूजा और शमी के वृक्ष की पूजा करने की परंपरा प्रचलित हुई।

30 फुट का कॉकरोच भी जलेगा... इस दशहरे, दिल्ली की श्री केशव रामलीला कमेटी कुछ अलग करने जा रही है। हर साल की तरह रावण, कुंभकरण और मेघनाद के पारंपरिक पुतलों के अलावा, इस बार एक विशाल 30 फुट का कॉकरोच का पुतला भी जलाया जाएगा। यह नया विचार कमेटी के अध्यक्ष अशोक गोयल देवराहा का है। इस साल यह अनोखी पहल सफाई के प्रति जागरूकता बढ़ाने और असल दुनिया की समस्याओं को नए तरीके से उजागर करने का प्रयास है।

टाइगर श्रॉफ पर फायरिंग के आरोपी नेपाल भागने वाले

● राजस्थान पुलिस ने कोटा रेलवे स्टेशन पर ही पकड़ लिया ● एक बिहार, 2 हरियाणा के युवक

मुंबई, एजेंसी। मुंबई में एक्टर टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग के मामले में राजस्थान पुलिस ने सोमवार सुबह 10:30 बजे 3 आरोपियों को कोटा से पकड़ लिया। सभी आरोपी पुणे-जयपुर एक्सप्रेस से जयपुर जाना चाहते थे। इसके बाद इनका प्लान बस से दिल्ली के रास्ते नेपाल भागना था, लेकिन पुलिस ने उन्हें कोटा रेलवे स्टेशन पर ही पकड़ लिया। एसपी कोटा, तेजस्विनी गौतम ने बताया, 'मुंबई पुलिस से सूचना मिलने के बाद कोटा पुलिस ने महज 15 मिनट में ट्रेन की तलाशी लेकर तीनों को पकड़ लिया।' पुलिस के मुताबिक, लॉरेंस गैंग के अनिल पंडित ने कॉन्टैक्ट दिया था। 3 सदस्यों में से 2 हरियाणा और एक बिहार का रहने वाला है।



टाइगर को गोली नहीं लगी, लेकिन उनके बाएं हाथ में बारूद और कांच के टुकड़ों से चोट आई है। फायरिंग में उनके ड्राइवर को भी चोट लगी। फिलहाल यह मुंबई के अंधेरी वेस्ट में उर्दू स्कूल के पास रहता है और 'रैपिडो' बाइक चलाता था। रेहान सोनीपत का रहने वाला: 18 साल के रेहान के पिता का नाम रशीदुद्दीन अंसारी है। यह हरियाणा में सोनीपत के सदर थाना क्षेत्र की इंदगाह कॉलोनी का रहने वाला है। नाबालिंग (उम्र 17 साल): यह हरियाणा के सोनीपत जिले का रहने वाला है।

एसपी कोटा ने बताया- मुंबई पुलिस की सूचना पर पकड़ा... एसपी कोटा, तेजस्विनी गौतम ने बताया, 'कल टाइगर पर हमला हुआ था। हमें इसके बारे में आज मुंबई पुलिस से जानकारी मिली। उन्होंने कहा था तीनों ट्रेन से कोटा पहुंचने वाले हैं। जैसे ही हमें पता चला हमने सिर्फ 15 मिनट में पूरी ट्रेन की जांच की और इस दौरान हमने तीनों को पकड़ लिया।' एसपी कोटा ने बताया, 'कल टाइगर पर हमला हुआ था। हमें इसके बारे में आज मुंबई पुलिस से जानकारी मिली। उन्होंने कहा था तीनों ट्रेन से कोटा पहुंचने वाले हैं। जैसे ही हमें पता चला हमने सिर्फ 15 मिनट में पूरी ट्रेन की जांच की और इस दौरान हमने तीनों को पकड़ लिया।'

चर्च में प्रेयर के दौरान पादरी पर क्रूस गिरा, मौत

● ऑनलाइन प्रसारण में रिकॉर्ड हुआ वीडियो ● कुछ मिनट पहले कहा था- एक दिन हम सबको मरना है



वाशिंगटन, एजेंसी। दक्षिण अमेरिकी देश इक्वाडोर में शनिवार की प्रेयर के दौरान पादरी के ऊपर लकड़ी से बना क्रॉस गिर गया। इससे पादरी के सिर पर चोट लगी और उनकी मौत हो गई। प्रेयर का ऑनलाइन प्रसारण किया जा रहा था। पूरी घटना कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। जानकारी के मुताबिक, घटना इक्वाडोर के तटीय बंदरगाह शहर ग्वायाकिल में 17 अक्टूबर को परेपेतुओ सोकोरो चर्च में हुई। यहां आवर लेडी ऑफ परेपेचुअल हेल्प चर्च में फादर पैट्रिसियो अल्फ्रेडो सांचेज मोलीनारी प्रवचन दे रहे थे। कुछ मिनट पहले कहा था- एक दिन हम सबको मरना है: फादर

छद्मे की वजह राफ नहीं, फिटिंग लूज होने की आशंका... चर्च की तरफ से कहा गया कि चर्च की दीवार से बड़ा क्रूस गिरने की वजह का अब तक पता नहीं चल पाया है, लेकिन इसे दीवार पर अटैच करने वाले मॉडर्टिंग फ़िक्स्चर में खराबी की आशंका है। फिलहाल स्थानीय प्रशासन जांच कर रहा है।

सांचेज ने उपदेश के दौरान स्पेनिश में कहा- 'टोडोस वैमोस ए मोरिर' (Todos vamos a morir); इन शब्दों का अर्थ है, 'एक दिन हम सबको मरना है।' उन्होंने कहा कि कम महत्वपूर्ण चीजों पर बिताया गया समय ईश्वर और प्रियजनों के साथ बिताए गए समय जितना सार्थक नहीं हो सकता।

योगी जी ने कन्या पूजन किया, पैर धोकर टीका लगाया: सीएम योगी ने कहा- सरकार ने नारी सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता पर आगे बढ़ाया

गोरखपुर, एजेंसी। शारदीय नवरात्रि की नवमी पर यूपी के मंदिरों में मां दुर्गा के दर्शन के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी है। गोरखपुर के गोरखनाथ मंदिर में गोरक्षपीठधीश्वर सीएम योगी आदित्यनाथ ने कन्या पूजन किया। 11 कन्याओं और बटुक के पांच पखारे, चुनरी ओढ़ाकर तिलक लगाया। उनका आशीर्वाद लिया और फिर अपने हाथों से भोजन परोसकर खिलाया। इसके बाद सबको गिफ्ट दिए। सीएम योगी ने बच्चियों से बातचीत भी की। इसके पहले योगी ने गोरखनाथ मंदिर के शक्तिपीठ में मां दुर्गा के नौवें स्वरूप मां सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना की।



उधर, मिर्जापुर के मां विन्ध्यवासिनी धाम में अब तक 20 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन-पूजन कर चुके हैं। वहीं, वाराणसी के माता सिद्धिदात्री मंदिर में 50 हजार से अधिक श्रद्धालु पहुंचे।

जौनपुर के चौकिया धाम में भी भक्तों की भीड़ उमड़ी। **सीएम योगी ने कहा- समाज में नशा, भ्रष्टाचार, अराजकता, असुरक्षा और आतंकवाद की कोई जगह न हो:** समाज में नशा के लिए कोई जगह न हो, समाज में भ्रष्टाचार के लिए कोई जगह न हो, अराजकता के लिए कोई जगह न हो, असुरक्षा और आतंकवाद के लिए कोई जगह न हो। यह हमें शारदीय नवरात्रि और विजयादशमी के संदेश को घर-घर तक पहुंचाने की तैयारी करनी चाहिए। समाज को तोड़ने वाले उन तत्वों, जो समाज की एकता को भंग करके राष्ट्र को

बेटी के जन्म लेने से लेकर के स्नातक तक की पढ़ाई के लिए 25 हजार का पैकेज दे रहे... सीएम योगी ने कहा- बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ से लेकर के मातृ वंदना योजना से लेकर के नारी शक्ति वंदन अधिनियम तक, नारी गरिमा, नारी सुरक्षा और नारी स्वावलंबन का एक आदर्श प्रस्तुत कर रहे हैं।

कमजोर करने का कुत्सित प्रयास करते हैं, ऐसे अराजक और उच्छृंखल तत्वों के खिलाफ एकता का संदेश और ऐसे तत्वों को बेनकाब करने का भी संदेश यह पर्व और त्यौहार हमें दे रहे हैं।

इजराइल-ऑस्ट्रिया फ्लाइट को बम से उड़ाने की धमकी

फाइटर जेट की निगरानी में इमरजेंसी लैंडिंग; 6 क्रू मेंबर समेत 57 लोग सवार थे

सोफिया, एजेंसी। इजराइल से ऑस्ट्रिया जा रही ऑस्ट्रियन एयरलाइंस की फ्लाइट को बम की धमकी के बाद बुल्गारिया में उतरा गया। एयरबस 320 रविवार रात तेल अवीव से विमाना जा रहा था। खतरे की सूचना के बाद बुल्गारिया की वायुसेना ने विमान को एस्कॉर्ट करने के लिए MiG-29 लड़ाकू विमान भेजा। विमान में 51 यात्री और छह क्रू सदस्य सवार थे। सभी को सुरक्षित बाहर निकाला गया। किसी के



घायल होने की खबर नहीं है। करीब तीन घंटे बाद 9:10 बजे यह सोफिया के वासिल लेव्स्की एयरपोर्ट पर उतरा। बुल्गारिया के परिवहन मंत्रालय के

फ्लाइट तीन घंटे बाद बुल्गारिया में लैंड हुई... फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा के मुताबिक, ऑस्ट्रियन एयरलाइंस की फ्लाइट रविवार शाम 6:46 बजे तेल अवीव के बेन गुरियन एयरपोर्ट से रवाना हुई थी। विमान जब रोमानिया के ऊपर था तब इसे बुल्गारिया की राजधानी सोफिया की ओर मोड़ा गया।

मुताबिक, अलर्ट मिलने के करीब 30 मिनट बाद विमान की सुरक्षा जांच शुरू हुई।

संक्षिप्त समाचार

असम की ‘निजुत बाबू मोड़ना’ योजना से 5.42 लाख विद्यार्थियों को लाभ

हिमंता बिस्वा सरमा ने गिनाई उपलब्धियां



गुवाहाटी , एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने सोमवार को कहा कि राज्य सरकार की निजुत बाबू मोड़ना योजना से 5.42 लाख विद्यार्थियों को सहायता मिल रही है, जो शिक्षा के माध्यम से युवा महिलाओं को सशक्त बनाने और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री सरमा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इस पहल का उद्देश्य असम की बेटियों को शिक्षा प्राप्त करने और बेहतर अवसरों की आकांक्षा रखने में सहायता प्रदान करके उन्हें अपना भविष्य स्वयं संवराने में सक्षम बनाना है। मुख्यमंत्री ने कहा, ‘हर लड़की में निहित शक्ति का सम्मान करते हुए हम असम की बेटियों को अपना भविष्य स्वयं संवराने के लिए सशक्त बना रहे हैं। निजुत बाबू मोड़ना के माध्यम से हम 5.42 लाख विद्यार्थियों को आत्मनिर्भरता और बड़े सपनों की ओर बढ़ने में सहायता कर रहे हैं।

पवन कल्याण का सख्त एवशन, सड़क तोड़ने के आरोपी वाईएसआरसीपी नेता पर गैर जमानती केस के आदेश



अमरावती, एजेंसी। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और पंचायत राज एवं ग्रामीण विकास मंत्री पवन कल्याण ने सोमवार को वाईएसआरसीपी नेता और अन्य लोगों के खिलाफ गैर-जमानती मामला दर्ज करने का आदेश दिया, जिन पर ‘पल्ले पंडुंगा’ योजना के तहत निर्मित सड़क को नष्ट करने का आरोप है। मुख्यमंत्री ने तिरुपति जिले के पुलमपेटा मंडल में अनांतसमुद्रम और पापक्कगरिपाले गांवों के बीच निर्मित सड़क के क्षतिग्रस्त होने को लेकर संज्ञान लिया। उन्होंने इंजीनियरिंग अधिकारियों को वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) के नेता सुब्बा रेड्डी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई करने का निर्देश दिया, जिन पर सरकारी संपत्ति को नष्ट करने का आरोप है। उन्होंने अधिकारियों से सड़क को नष्ट करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ राजस्व वसूली अधिनियम लागू करने और उनसे हुए नुकसान की भरपाई सुनिश्चित करने को कहा। आधिकारिक वृत्ति के अनुसार, पवन कल्याण ने सोमवार को पंचायत राज और ग्रामीण विकास विभाग के वरिष्ठ इंजीनियरिंग अधिकारियों के साथ घटना और आगे की कार्रवाई की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि ग्रामीणों द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर एफआईआर दर्ज की गई है, जिसमें कहा गया है कि सुब्बा रेड्डी नामक एक व्यक्ति ने वेंकटसुब्बा रेड्डी नामक एक अन्य व्यक्ति की सहायता से ट्रैक्टर का उपयोग करके सड़क के 100 मीटर हिस्से को तोड़ दिया था।

जम्मू-कश्मीर में कक्षा 10 की परीक्षाएं शुरू, 1,003 केंद्रों पर 97,000 से अधिक छात्र हुए शामिल



श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर शिक्षा बोर्ड (जेकेबीओएसई) द्वारा स्थापित 1,003 केंद्रों पर सोमवार को 97,000 से अधिक छात्रों ने कक्षा 10 की परीक्षा दी। कक्षा 10 की परीक्षा कश्मीर घाटी और जम्मू-कश्मीर के जम्मू संभाग के शीतकालीन क्षेत्र में शुरू हुई। जेकेबीओएसई के अधिकारियों ने बताया कि वार्षिक नियमित कक्षा 10 की परीक्षाएं 1,003 केंद्रों पर 97,000 से अधिक छात्रों की उपस्थिति के साथ शुरू हुईं। अधिकारियों ने बताया, ‘इनमें से 72,232 छात्रों ने कश्मीर डिवीजन में और 25,268 छात्रों ने जम्मू डिवीजन के शीतकालीन क्षेत्र में पंजीकरण कराया है। बोर्ड ने 1,003 परीक्षा केंद्र स्थापित किए हैं, जिनमें से 687 कश्मीर डिवीजन में और 316 जम्मू डिवीजन के शीतकालीन क्षेत्र में हैं। जेकेबीओएसई के अध्यक्ष गुलाम हसन शेख ने कुछ परीक्षा केंद्रों के दौर के दौरान प्रक्राकों को बताया कि कश्मीर मंडल के 10 जिलों और जम्मू मंडल के सात जिलों में परीक्षाएं आयोजित की जा रही हैं, जिनमें से कुछ छात्र लेह और कारगिल में भी परीक्षा दे रहे हैं।

राजस्थान के पंचायत चुनाव में 16 जिलों में दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर, कहीं वसुंधरा राजे तो कहीं जूली की परीक्षा



जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में गांवों की सरकार चुनने का चुनाव अब सिर्फ जिला परिषद की सीटों तक सीमित नहीं रहा। इस मुकाबले में बड़े नेताओं की सियासी साख, मंत्रियों का प्रभाव, पूर्व मंत्रियों की पकड़ और पार्टियों के भीतर की खींचतान भी दांव पर है। 22 अक्टूबर को पहले चरण में 16 जिलों में मतदान होगा। 586 जिला परिषद सीटों के लिए 1693 उम्मीदवार मैदान में हैं। लेकिन सवाल सिर्फ यह नहीं है कि कौन कितनी सीटें जीतेगा, असली सवाल जिला प्रमुख की कुर्सी तक पहुंचने का है। कहीं बागी उम्मीदवार अधिकृत प्रत्याशियों का गणित बिगाड़ रहे हैं, तो कहीं राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी और भारत आदिवासी पार्टी जैसे दल मुकाबले में नए समीकरण बना रहे हैं। ऐसे में भाजपा और कांग्रेस के सामने अपनी सीटें बचाने के साथ-साथ जिला प्रमुख बनाने की चुनौती भी है। आइए, उन जिलों का सियासी गणित समझते हैं, जहां बड़े नामों की प्रतिष्ठता चुनावी मैदान में है।

1. अजमेर: मंत्री और पूर्व मंत्री के प्रभाव की परीक्षा: अजमेर में इस बार मुकाबले की चर्चा 2020 के चुनाव से शुरू होती है। तब भाजपा ने जिला परिषद की 32 में से 21 सीटें जीती थीं, लेकिन क्रांस वोटिंग

के महेंद्र चौधरी जिला प्रमुख बने थे। इस बार भी मुकाबले में आरएलपी की मौजूदगी अहम है। जिन इलाकों में पार्टी का स्थानीय जनाधार है, वहां भाजपा और कांग्रेस के सामने वोटों के बंटवारे की चुनौती रह सकती है। कांग्रेस की ओर से पूर्व मंत्री अमीन खान के बेटे शेर मोहम्मद, पूर्व मंत्री गफूर अहमद और जिलाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह गोदारा मैदान में हैं। भाजपा की ओर से खंगार सिंह सोबा, मनोहर सिंह पापड़, प्रभा चौधरी और बालाराम मुंड जैसे नाम चुनाव लड़ रहे हैं। यहां कांग्रेस के हरीश चौधरी, अमीन खान और पूर्व विधायक मेवाराम जैन के साथ भाजपा के मंत्री केके विश्नोई, पूर्व केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी और विधायक आदुराम मेघवाल की प्रतिष्ठता भी चर्चा में है।

3. अलवर: टीकाराम जूली के सामने नई चुनौती: अलवर में नए जिले बनने के बाद यह पहला जिला परिषद चुनाव है। पिछली बार कांग्रेस के बलवीर छिन्नर जिला प्रमुख बने थे। इस बार 35 निर्दलीय उम्मीदवारों के साथ बसपा की मौजूदगी भी मुकाबले के समीकरण को प्रभावित कर सकती है। कांग्रेस की ओर से ललितता मीणा, अनिता मीणा और विमला वर्मा जैसे चेहरे मैदान में हैं। भाजपा की ओर से संतोष मीणा और सीमा मीणा चुनाव लड़ रही

हैं। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली और पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह के लिए यह चुनाव अहम है। वहीं भाजपा की ओर से केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और वन मंत्री संजय शर्मा की राजनीतिक प्रतिष्ठता भी चर्चा में रहेगी। 4. भीलवाड़ा: आरएलपी की एंट्री से मुकाबले में नया मोड़ भीलवाड़ा में 2020 में भाजपा की बरजी देवी भील जिला प्रमुख बनी थीं। इस बार आरएलपी के सात उम्मीदवार मैदान में हैं। कांग्रेस की ओर से दुर्गपाल सिंह, आशीष चौधरी, कोजीराम और कमल सिंह, जबकि भाजपा की तरफ से शिवराज, राहुल शर्मा, बजरंग सिंह और रूपलाल जाट जैसे प्रत्याशी चुनाव लड़ रहे हैं। कांग्रेस के पूर्व मंत्री रामलाल जाट और पूर्व विधायक धीरज गुर्जर के साथ भाजपा के रामपाल शर्मा और पूर्व मंत्री कालूलाल गुर्जर की राजनीतिक प्रतिष्ठता भी इस चुनाव से जुड़ी है। ग्रामीण मतदाताओं का फैसला दोनों दलों के लिए अहम होगा। 5. बीकानेर: कांग्रेस की परंपरा पर भाजपा की नजर बीकानेर में पिछले चुनावों में कांग्रेस जिला प्रमुख बनाती रही है। 2020 में मोडाराम इस पद पर पहुंचे थे। इस बार भाजपा-कांग्रेस के बीच मुकाबले में आरएलपी, माफपा और बसपा के उम्मीदवार भी मैदान में हैं। कांग्रेस से पूर्व नेता प्रतिपक्ष रामेश्वर डूडी की पुत्रवधू

निकिता डूडी और पूर्व मंत्री गोविंद मेघवाल की बेटी सरिता चौहान चुनाव लड़ रही हैं। भाजपा की ओर से सुमन मुंड और इंदू देवी जैसे चेहरे मैदान में हैं। कांग्रेस के लिए गोविंद मेघवाल, विधायक सुशीला डूडी और पूर्व मंत्री भंवर सिंह भाटी का प्रभाव चर्चा में है। भाजपा की ओर से केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल, पूर्व विधायक बिहारी लाल विश्नोई और कैबिनेट मंत्री सुमित गोदारा की प्रतिष्ठता जुड़ी है। 6. झुंजरपुर: बीएपी ने सभी 37 वार्डों में उतारे प्रत्याशी झुंजरपुर में इस बार मुकाबले का एक बड़ा पहलू भारत आदिवासी पार्टी की मौजूदगी है। पार्टी ने सभी 37 वार्डों में उम्मीदवार उतारे हैं। 2020 में कांग्रेस और भाजपा ने मिलकर भाजपा के संबल पर जीती सूर्या अहारी को निर्दलीय जिला प्रमुख बनवाया था। इस बार ऐसे समीकरण दोहराए जाते हैं या नहीं, इस पर नजर रहेगी। कांग्रेस से पूर्व विधायक पूंजीलाल परमार और पूर्व जिला प्रमुख रतन देवी भराड़ मैदान में हैं। भाजपा से अनिता कटारा, बलवीर अहारी और पूर्व विधायक देवेन्द्र कटारा चुनाव लड़ रहे हैं। बीएपी की ओर से कांतिलाल रोट और अनुतोष रोट जैसे नाम हैं। यहां पूर्व सांसद कनकमल कटारा, सांसद राजकुमार रोट और दोनों प्रमुख दलों के स्थानीय नेताओं की राजनीतिक भूमिका भी चर्चा में है।

राजस्थान के सवाई माधोपुर में सुबह 5 घंटे बारिश

जयपुर-अजमेर में गिरे ओले

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर अब कमजोर पड़ने लगा है। सवाई माधोपुर में सोमवार अलसुबह से सुबह तक बारिश हुई, जबकि रविवार को जयपुर और अजमेर में ओलावृष्टि देखने को मिली। बारिश, तेज हवा और ओलों के कारण दिन के तापमान में गिरावट आई है। वहीं, प्रदेश के 10 से ज्यादा शहरों में न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे पहुंच गया है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले तीन-चार दिन मौसम शुष्क रहने की संभावना है। हालांकि, 22-23 अक्टूबर को एक नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय हो सकता है। ऐसे में सवाल है कि क्या राजस्थान में ठंड का असर और बढ़ेगा या फिर धूप से तापमान में दोबारा बढ़ोतरी होगी

सवाई माधोपुर में सुबह 3 से 8 बजे तक बारिश, किसानों की बड़ी चिंता: सवाई माधोपुर में सोमवार अलसुबह करीब 3 बजे से सुबह 8 बजे तक रुक-रुककर बारिश हुई। इस दौरान कहीं रिमझिम फुहारें पड़ीं तो कहीं तेज बारिश देखने को मिली। मौसम में आए इस बदलाव से जहां लोगों को हल्की ठंडक महसूस हुई, वहीं किसानों की चिंता बढ़ गई है। जिले के खंडा क्षेत्र में खेतों में फसलें लगभग पककर तैयार हैं। ऐसे समय में बारिश होने से



फसलों को नुकसान पहुंचने की आशंका है। किसानों को डर है कि यदि आगे भी बारिश या ओलावृष्टि होती है तो तैयार फसल प्रभावित हो सकती है। इससे पहले रविवार को भी प्रदेश के कई जिलों में मौसम का मिजाज बदला रहा। जयपुर, सवाई माधोपुर, टोंक, बारा और अजमेर समेत कई इलाकों में बारिश हुई। जयपुर और अजमेर में ओले भी गिरे। दिनभर धूप कमजोर रहने के कारण लोगों को सामान्य दिनों के मुकाबले कम गर्मी महसूस हुई। 10 से ज्यादा शहरों में रात का पारा 20 डिग्री से नीचे: बारिश और बादलों के असर से राजस्थान के कई शहरों में रात के तापमान में गिरावट दर्ज की गई। रविवार को टोंक में न्यूनतम तापमान 19.4 डिग्री सेल्सियस रहा। अलवर में 19.5, पिलानी में 19.3, सीकर में 18.8 और पाली में 19 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी तरह माउंट आबू में न्यूनतम तापमान 15.3 डिग्री, सिरोही में 16,

फतेहपुर में 17, झुंजरपुर में 18.6 और श्रीगंगानगर व झुंझूं में 19.7 डिग्री सेल्सियस रहा। इन आंकड़ों से साफ है

कि प्रदेश के कई हिस्सों में रात के समय ठंडक बढ़ने लगी है। हालांकि, अभी पूरे प्रदेश में सर्दी का असर एक

दिन में भी कम हुई गर्मी, कई शहरों में सामान्य से नीचे तापमान

रविवार को बारिश और ओलावृष्टि के असर से कई शहरों में अधिकतम तापमान सामान्य से नीचे दर्ज हुआ। अलवर में अधिकतम तापमान 31.8 डिग्री सेल्सियस रहा। हनुमानगढ़ में 31.2, करौली और झुंझूं में 32.4, सीकर में 32, पिलानी में 33 और अजमेर में 33.7 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। इन इलाकों में दिन के समय भी गर्मी का असर कम रहा। कमजोर धूप और मौसम में नमी के कारण लोगों को सुबह-शाम के साथ दिन में भी हल्की ठंडक महसूस हुई। दूसरी ओर, पश्चिमी राजस्थान के कुछ शहरों में गर्मी का असर बरकरार रहा। बाड़मेर में प्रदेश का सबसे अधिक अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जोधपुर में 36.8, फतेही में 36.2, जालोर में 36, सिरोही में 37.1 और जैसलमेर में 35.9 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। यानी एक तरफ प्रदेश के कई शहरों में रात का पारा नीचे जा रहा है, तो दूसरी तरफ पश्चिमी इलाकों में दिन के समय गर्मी बनी हुई है।

अगले तीन-चार दिन मौसम रहेगा शुष्क, आसमान साफ रहेगा-ची संभावना: मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के अनुसार, सोमवार से अगले तीन-चार दिन प्रदेश में मौसम मुख्य रूप से शुष्क रहने की संभावना है। इस दौरान आसमान साफ रहने और धूप निकलने का अनुमान है। ऐसे में रविवार और सोमवार को हुई बारिश के बाद फिलहाल मौसम में स्थिरता आ सकती है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि अक्टूबर में बारिश का दौर पूरी तरह खत्म हो गया है। मौसम विभाग ने 22-23 अक्टूबर को एक नए वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के सक्रिय होने की संभावना जताई है। इसके प्रभाव से राज्य के मौसम में एक बार फिर बदलाव देखने को मिल सकता है।

22-23 अक्टूबर पर नजर, फिर बदल सकता है मौसम: राजस्थान में अगले कुछ दिनों धूप और शुष्क मौसम रहने का अनुमान है, लेकिन 22-23 अक्टूबर को संभावित नए वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के कारण मौसम फिर करवट ले सकता है। फिलहाल बारिश और ओलावृष्टि को लेकर किसी नए जिलेवार अलर्ट की जानकारी उपलब्ध नहीं है।

10 साल में दुनिया में 80 करोड़ बेरोजगार होंगे विश्व बैंक अध्यक्ष की चेतावनी

बैंकॉक, एजेंसी। विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा ने भविष्य के रोजगार संकट को लेकर चौंकाने वाली चेतावनी जारी की है। बंगा ने अनुमान जताया है कि अगले 10-15 वर्षों में दुनिया भर के लगभग 120 करोड़ कुशल (स्किल्ड) युवा रोजगार बाजार में प्रवेश करेंगे लेकिन रोजगार 40 करोड़ को ही मिल पाएगा। बैंकॉक में अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक समूह की वार्षिक बैठकों के पूर्ण सत्र को संबोधित करते हुए बंगा ने कहा कि आने वाले समय में लगभग 80 करोड़ युवाओं के सामने बेरोजगारी का बड़ा संकट खड़ा हो सकता है। विश्व बैंक अध्यक्ष ने चेतावनी दी कि विकासशील देश इस समय दोहरी मात्र झेल रहे हैं। एक तरफ उन पर विदेशी कर्ज का बोझ लगातर बढ़ता जा रहा है, तो दूसरी तरफ विकास कार्यों के लिए मिलने वाली अंतरराष्ट्रीय सहायता में भारी कमी आई है। इसके साथ ही

दुनिया भर में चल रहे लगातार युद्ध और तनाव के कारण वैश्विक विकास भी प्रभावित हो रहा है। सरकारों के पास विकास योजनाओं और रोजगार सृजन के लिए बजट की भारी कमी है। बंगा ने वैश्विक नेताओं और नीति निर्माताओं से अपील की है कि वे भविष्य को देखते हुए अपनी आर्थिक नीतियों में तत्काल सुधार करें।

भारतीय उपमहाद्वीप के युवाओं पर दोहरा असर : भारतीय उपमहाद्वीप (भारत, बांग्लादेश, पाकिस्तान, नेपाल) दुनिया के सबसे युवा क्षेत्रों में से है, जहां अकेले भारत के श्रम बाजार में हर साल लगभग 1.2 करोड़ (12 मिलियन) युवा प्रवेश करते हैं। नीतियों के क्रियाव्ययन के आधार पर युवाओं पर इसका दोहरे प्रभाव पड़ सकते हैं। यदि विश्व बैंक के मॉडल के अनुसार निजी क्षेत्र और बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ता है, तो बड़े पैमाने पर गुणवत्तापूर्ण नौकरियां पैदा होंगी।

बाबा वेंगा की 2026 के आखिर की डरावनी भविष्यवाणी: खत्म होगी पुतिन की तानाशाही सामने आएगा एक नया रूसी नेता

मॉस्को , एजेंसी। मशहूर भविष्यवाका बाबा वेंगा की एक



और चौंकाने वाली भविष्यवाणी को लेकर दुनिया भर में चर्चा तेज हो गई है। प्रिसेस डायना की मौत जैसी कई सटीक भविष्यवाणियों के लिए जानी जाने वाली बाबा वेंगे ने 2026 को लेकर बेहद खौफनाक संकेत दिए हैं। उनके अनुसार, इस साल रूस में बड़े और अमेरिका के बीच सीधा सैन्य टकराव हो सकता है, जो वैश्विक राजनीति में बड़े उथल-पुथल का कारण बनेगा। हालांकि इन दावों की कोई पुष्टि नहीं है, लेकिन वर्तमान में रूस और पश्चिमी देशों के बीच बढ़ते तनाव को देखकर लोग इसे लेकर

तीसरा विश्व युद्ध और रूस-अमेरिका की सीधी टक्कर: डेली स्टार के अनुसार,

काफी चिंतित हैं।

पुतिन की परमाणु हमले की खली चेतावनी:

यह भविष्यवाणी ऐसे समय में आई है जब रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पश्चिमी देशों और ब्रिटेन को सख्त लहजे में चेतावनी दी है। पुतिन का कहना है कि अगर रूस की संप्रभुता या उसके क्षेत्र कैलिनिनग्राद पर कोई सीधा हमला होता है, तो रूस अपने परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने से बिल्कुल पीछे नहीं हटेगा। मॉस्को में आयोजित वाल्दाई फोरम के दौरान पुतिन ने कहा कि रूस किसी यूरोपीय देश पर पहले हमला नहीं करना चाहता और शांतिपूर्वक सह-

अस्तित्व चाहता है, लेकिन अपनी सुरक्षा के लिए वह हर संभव कदम उठाएगा। परिणामों के बारे में सोचना चाहिए था यूक्रेन में युद्ध में उलझे पुतिन ने कहा कि अपनी सुरक्षा के लिए रूस के पास यह युद्ध शुरू करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। उन्होंने यह भी कहा कि रूस का किसी यूरोपीय देश पर हमला करने का कोई इरादा नहीं है और वह शांति से साथ रहना चाहता है। मॉस्को में रूस के अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के वल्दाई फोरम में पुतिन ने कहा, अगर रूसी संघ पर सीधा हमला होता है - जिसमें कालिनिनग्राद और शायद अन्य इलाके भी शामिल हो सकते हैं।

कनाडा सैन्य अड़्डा अग्निकांड: चार सैनिकों ने गंवाई जान, 39 अस्पताल में भर्ती, 19 की हालत गंभीर

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के अल्बर्टा प्रांत की प्रमुख डेनियल स्मिथ ने बताया कि एक सैन्य अड़्डे पर भीषण आग लगने के बाद 39 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से कम से कम 19 लोगों की हालत गंभीर है। स्मिथ ने रविवार को बताया कि घायलों को कनाडाई सैन्य अड़्डे वेनराइट से अल्बर्टा के चार अस्पतालों में भेजा गया है। कुछ लोग गंभीर रूप से झुलसे हैं। उन्हें कई सप्ताह या महीनों तक गहन इलाज की जरूरत पड़ सकती है। इससे पहले प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने पुष्टि की थी कि इनमें से कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई। यह आग शनिवार को सैन्य प्रशिक्षण के दौरान लगी थी। उन्होंने इसे कनाडा की सेना के लिए देश की धरती पर शांतिपाल की सबसे भीषण त्रासदियों में से एक बताया।

कनाडाई सेना ने क्या कहा: शनिवार देर रात तेज हवाओं के बीच दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाने की कोशिश की। तेज हवाओं के कारण आग कनाडाई सैन्य अड़्डे वेनराइट से बाहर निकलकर आसपास के ग्रामीण इलाकों तक फैल गई। कनाडाई सेना ने



रविवार को कहा कि इस घटना के पीछे आतंकवाद होने का कोई संकेत नहीं मिला है। हालांकि, आग लगने के कारणों की जांच जारी है

प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने क्या कहा: कार्नी ने टेलीविजन पर दिए गए संबोधन में कहा कि मारे गए सैन्यकर्मियों के परिवारों को इसकी सहायता दे दी गई है। उन्होंने कहा कि स्थिति लगातार बदल रही है। कार्नी ने बताया कि शनिवार को आग लगने के समय मारे गए और घायल हुए सैन्यकर्मियों प्रशिक्षण में हिस्सा ले रहे थे। उन्होंने कहा कि इस त्रासदी से प्रभावित लोगों के सम्मान में पूरे देश में संघीय सरकारी इमारतों पर राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा।

कार्नी ने बताया कि प्रभावित लोगों में आरक्षित (रिजर्व) सैन्यकर्मों और कनाडा की सबसे प्रसिद्ध सैन्य रेजिमेंट में से एक, प्रिसेस पैट्रिशिया की कैनेडियन लाइट इन्फैंट्री के सैनिक शामिल हैं। ये सैन्यकर्मों प्रशिक्षण के लिए देशभर के अलग-अलग सैन्य अड़्डों से वेनराइट आए थे।

मेयर पद की उम्मीदवार का बेटा भी घायल: ओटारियो में मेयर पद की उम्मीदवार कैथी कीन ने बताया कि गंभीर रूप से घायल सैन्यकर्मियों में उनका बड़ा बेटा भी शामिल है। उन्होंने फेसबुक पर लिखा, एक मां के तौर पर इस समय मुझे अपने बेटे और परिवार के साथ रहने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि वह अल्बर्टा जा रही हैं।

रक्षा मंत्री ने क्या कहा: रक्षा मंत्री डेविड मैकगिंटि ने कहा कि घटना की जांच में रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) भी शामिल है। उन्होंने कहा, स्थिति बहुत ही सक्रिय और संवेदनशील है। अधिकारी अभी यह पता लगाने में जुटे हैं कि क्या हुआ था। उन्होंने आगे की जानकारी जल्द देने की उम्मीद जताई।

मैकगिंटि ने रविवार को बताया कि वह ताजा घटनाक्रम की जानकारी लेने के लिए एडमंटन जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सेना अल्बर्टा सरकार और स्थानीय अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रही है।

अस्पतालों में आपात स्थिति क्यों घोषित करनी पड़ी: आग के बाद बड़ी संख्या में घायल लोगों को अस्पतालों में पहुंचाया गया, जिससे स्वास्थ्य सेवाओं पर भारी दबाव पड़ा। अल्बर्टा के कई अस्पतालों ने ‘कोड ऑरेंज’ घोषित किया। इसका मतलब है कि बड़ी संख्या में गंभीर रूप से घायल लोगों के इलाज के लिए आपात व्यवस्था करनी पड़ रही है। एडमंटन के रॉयल एलेक्जेंड्रा अस्पताल के आपातकालीन निक्सिक बॉरेन थिर्सक ने बताया कि घायलों की संख्या इतनी अधिक थी कि शहर के अस्पतालों पर असाधारण दबाव पड़ गया। एडमंटन क्षेत्र में एंबुलेंस की उपलब्धता भी बेहद कम हो गई थी। अधिकारियों ने लोगों से संभव होने पर यूनिवर्सिटी ऑफ अल्बर्टा अस्पताल के आपातकालीन विभाग में जाने से बचने की अपील की। वैनराइट के मेयर ब्रूस यू

ने कहा कि स्थानीय अस्पताल इतनी बड़ी आपदा से निपटने के लिए नहीं बना था। घायलों को हेलीकॉप्टर और विमानों से दूसरे अस्पतालों में भी भेजा गया।

आग से स्थानीय प्रशासन और मतदान व्यवस्था पर क्या असर पड़ा: हादसे के बाद अल्बर्टा को दूसरे प्रांतों से मदद की पेशकश की गई। संस्क्रेचवान के प्रीमियर स्कॉट मो ने सहायता भेजने की घोषणा की। अल्बर्टा की प्रीमियर डेनियल स्मिथ ने घटना को गंभीर और दुखद बताया। प्रधानमंत्री कार्नी ने आग बुझाने में जुटे दमकलकर्मियों और बचाव इलाकों की सराहना की। कनाडा की विपक्षी कंजर्वेटिव पार्टी के नेता पिपरे पोर्डलिन्ने ने भी प्रभावित लोगों के प्रति समर्थन जताया और लोगों से आपात निर्देशों का पालन करने तथा बचाव दलों के लिए सड़कें खाली रखने की अपील की। इस आग का असर सोमवार को होने वाले अल्बर्टा के जनमत संग्रह से पहले मतदान पर भी पड़ा। वैनराइट कम्प्यूनिंगलेक्स में अग्रिम मतदान केंद्र शनिवार को समय से पहले बंद करना पड़ा।

सीधी में रावण दहन को लेकर प्रशासन अलर्ट, कलेक्टर ने तैयारियों की समीक्षा की

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। दशहरा पर्व पर छत्रसाल स्टेडियम में आयोजित होने वाले रावण दहन कार्यक्रम को सुरक्षित, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। कलेक्टर विकास मिश्रा ने कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि आयोजन में शामिल होने वाले नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए भीड़ प्रबंधन, आवागमन और आपातकालीन सेवाओं की उपलब्धता पर विशेष ध्यान दिया जाए।

प्रवेश-निकास मार्गों पर रहेगी निगरानी: कलेक्टर ने अधिकारियों को कार्यक्रम स्थल पर पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने, बैरिकेडिंग और प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए प्रवेश एवं निकास मार्गों पर भी आवश्यक प्रबंध करने को कहा गया ताकि दर्शकों की आवाजाही सुचारु बनी रहे और भीड़ के



दबाव से किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो रावण दहन के दौरान भीड़ को नियंत्रित रखने के लिए प्रभावी व्यवस्था बनाने के साथ ही पूरे आयोजन स्थल पर सतत निगरानी रखने के निर्देश दिए गए कलेक्टर ने विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर भी जोर दिया, ताकि कार्यक्रम के दौरान किसी भी स्थिति से

तत्काल निपटा जा सके।

फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस रहेगी तैयार: आयोजन के दौरान संभावित आपात स्थितियों से निपटने के लिए फायर ब्रिगेड और एंबुलेंस की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं अग्निशमन दल और चिकित्सा सेवाओं को आवश्यक संसाधनों के साथ

तैयार रखने तथा जरूरत पड़ने पर तत्काल सहायता उपलब्ध कराने को कहा गया है कलेक्टर ने अग्नि सुरक्षा मानकों का पालन कराने, ज्वलनशील सामग्री के इस्तेमाल में सावधानी बरतने और दर्शकों को रावण दहन स्थल से सुरक्षित दूरी पर रखने के निर्देश भी दिए प्रशासन का उद्देश्य है कि दशहरा उत्सव के दौरान किसी भी प्रकार की

अप्रिय घटना की आशंका को कम किया जा सके।

नागरिकों से सुरक्षा नियमों के पालन की अपील: जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे निर्धारित सुरक्षित स्थानों से ही रावण दहन देखें और सुरक्षा कर्मियों के निर्देशों का पालन करें बैरिकेडिंग पार न करें तथा आग, पटाखों और जलते हुए अवशेषों से दूरी बनाए रखें

अभिभावकों से बच्चों को अपने साथ रखने और उन्हें आयोजन स्थल पर अकेला नहीं छोड़ने की अपील की गई है प्रशासन ने लोगों से भीड़ में धक्का-मुक्की और जल्दबाजी से बचने तथा आपात स्थिति में सुरक्षा कर्मियों का सहयोग करने को कहा है अधिकारियों ने दशहरा पर्व को उत्साह, अनुशासन और आपसी सौहार्द के साथ मनाने की अपील की।

रीवा और रामपुर बघेलान के बीच फुटबॉल मैत्री मैच 1-1 से ड्रा



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। दशहरा पर्व की पूर्व संध्या पर ठाकुर राममत सिंह महाविद्यालय (टीआरएस कॉलेज) के मैदान में रीवा और रामपुर बघेलान की टीमों के बीच मैत्री फुटबॉल मैच खेला गया रोमांचक मुकाबले में दोनों टीमों ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया निर्धारित समय तक मुकाबला 1-1 गोल से बराबर रहा जिसके बाद दोनों टीमों को संयुक्त रूप से विजेता घोषित किया गया रामपुर बघेलान की टीम का नेतृत्व रहल सिंह बघेल ने किया, जबकि रीवा की टीम की कप्तान अजीत पाण्डेय के हाथों में रही मैच के पहले हाफ में दोनों टीमों ने एक-एक गोल किया दूसरे हाफ में दोनों ही टीमों गोल करने में सफल नहीं हो सकी रीवा की ओर से कप्तान अजीत

पाण्डेय, पिंटू बंसल, कटि और प्रियांशु चौरसिया ने अच्छा प्रदर्शन किया वहीं रामपुर बघेलान की ओर से कप्तान रहल सिंह बघेल और गोलकीपर रावैर ने अपने खेल से प्रभावित किया मैच में मुख्य अतिथि वरिष्ठ फुटबॉल खिलाड़ी शेख आबिद अंसारी और विशिष्ट अतिथि अधिवक्ता कुलदीप सिंह सोमवंशी रहे कार्यक्रम की अध्यक्षता महेंद्र सिंह बघेल ने की निर्णायक की भूमिका प्रशांत सिंह ने निभाई जबकि सलीम अंसारी और विनोद शुक्ला ने लाइनमैन का दायित्व संभाला इस अवसर पर पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी मदीना अंसारी, सुजय सिंह, आदित्य सिंह परिहार, प्रेम आहूजा, रामकुमार रावत, प्रेमप्रकाश रावत, सिंटू शुक्ला, जावेद अंसारी सहित बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

शासकीय योजनाओं की लंबित शिकायतों का तत्परता से करें निराकरण :कलेक्टर

पदभार ग्रहण करने के बाद अधिकारियों की परिचयात्मक बैठक, सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की नियमित समीक्षा के निर्देश सड़क हादसे रोकने आवारा गोवंश पर विशेष ध्यान



मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। कलेक्टर रमेश कुमार ओगरे ने पदभार ग्रहण करने के बाद सोमवार को विभिन्न विभागों के अधिकारियों की परिचयात्मक बैठक लेकर विभागीय कार्य, शासकीय योजनाओं की प्राप्ति और लंबित प्रकरणों की

जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें तथा आम नागरिकों से संबंधित शिकायतों का समय-सीमा में तत्परता से निष्करण करें उन्होंने स्पष्ट किया कि पात्र

हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ समय पर मिलना चाहिए और आम लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए अनावश्यक पेशान न होना पड़े।

सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों पर विशेष ध्यान दें कलेक्टर ने अधिकारियों से कहा कि सीएम हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों की नियमित समीक्षा की जाए प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए उसके निष्करण के लिए आवश्यक कर्वाई सुनिश्चित करें शिकायतों को लंबित रखने के बजाय संबंधित विभाग तथात्सक जानकारी के आधार पर समय-सीमा में समाधान करें उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि शासकीय योजनाओं की प्राप्ति पर लगातार नजर रखें और लंबित प्रकरणों के निष्करण में अनावश्यक देरी

न होने दें जनसमस्याओं के समाधान में स्फेसशीलता और जवाबदेही के साथ काम करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन की प्राथमिकता आम नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध करना और शासन की योजनाओं का लाभ वास्तविक पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाना है।

सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए उठाएँ कदम: बैठक में कलेक्टर ने सड़कों और हड़्डि पर विचरण करने वाले आवाग गोवंशों के कारण होने वाली सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए विशेष निर्देश दिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को ऐसे गोवंशों को निरन्तर गैशालाओं में पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा, ताकि सड़कों पर पशुओं के कारण वाहन चालकों और आम

नागरिकों को होने वाले जोखिम को कम किया जा सके उन्होंने गोवंश के गले और सींगों पर रैडियम रिफ्लेक्टिंग टेप लगाने के निर्देश भी दिए इसके शत के अंधे और कम गेशनी की स्थिति में वाहन चालकों को सड़क पर मौजूद पशु दूर से दिखाई दे सकें और दुर्घटनाओं की आशंका कम करने में मदद मिलेगी।

शत्रि और सुबह के समय निगरानी के निर्देश: कलेक्टर ने आवाग गोवंश की निगरानी के लिए स्थानीय स्तर पर पशु दल गठित करने और नियमित गश्त करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि शत्रि और प्रतःत्नलीन समय में सड़कों पर पशुओं की मौजूदगी पर विशेष नजर रखी जाए संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करते हुए गोवंशों को सुस्थित स्थानों पर पहुंचाने की कर्वाई करें।

सतना में दशहरा-विसर्जन को लेकर पुलिस अलर्ट, निकाला फ्लैग मार्च

पांच विसर्जन स्थलों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, सतना नदी में पीओपी मूर्तियों के विसर्जन पर प्रतिबंध



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। दशहरा, रावण दहन और दुर्गा प्रतिमा विसर्जन को शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित तरीके से संपन्न करने के लिए सतना पुलिस और जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में रविवार को सिटी कोतवाली चौक से पुलिस बल ने फ्लैग मार्च निकालकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया अधिकारियों ने दुर्गा पूजा समितियों से त्योहार के दौरान आपसी सौहार्द बनाए रखने और प्रशासन के निर्देशों का पालन करने की अपील की।

बैठक में कानून-व्यवस्था और यातायात

पर चर्चा: एसडीएम खुशजंगर (शहरी) रहल सिलाडिया की अध्यक्षता में दुर्गा पूजा समितियों, पुलिस और नगर निगम के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में दशहरा उत्सव, रावण दहन, प्रतिमा विसर्जन और यातायात व्यवस्था को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए प्रशासन ने आयोजन समितियों से निर्धारित नियमों का पालन करने तथा विसर्जन के दौरान अनुशासन बनाए रखने को कहा।

20 से 22 अक्टूबर तक पांच स्थानों पर व्यवस्था: प्रशासन ने 20, 21 और 22 अक्टूबर

को प्रतिमा विसर्जन के लिए शहर में पांच स्थान निर्धारित किए हैं इनमें सतना नदी के माधवाद्, जगनहट, देवर और उंचवा टोला घाट के अलावा ट्रंसपोर्ट नगर स्थित कृत्रिम विसर्जन कुंड शामिल है इन सभी स्थलों पर सुरक्षा की दृष्टि से गेशनी, ट्रेन, गोलाखोर, मोटर बोट और बैरिकेडिंग की व्यवस्था की जाएगी इसके साथ ही पेयजल और मेडिकल टीम भी तैनात रहेगी ताकि किसी भी आपात स्थिति में तत्काल सहायता उपलब्ध कर्वाई जा सके।

पीओपी की मूर्तियां कृत्रिम कुंड में होंगी विसर्जित: पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने सतना नदी के घाटों पर प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) से बनी मूर्तियों के विसर्जन पर प्रतिबंध लगाया है ऐसी मूर्तियों का विसर्जन केवल ट्रंसपोर्ट नगर स्थित कृत्रिम कुंड में करना होगा फ्लैग मार्च में सीएसपी मनीष त्रिपाठी सहित कोलगांव, सिटी कोतवाली, सिविल लाइन, महिला थाना और यातायात पुलिस के अधिकारी-जवान शामिल रहे पुलिस प्रशासन ने पर्व के दौरान शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सतर्कता बरतने की बात कही।

जयंत कोयला खदान में सुरक्षा प्रहरी से मारपीट और लूटपाट, दो आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले की जयंत कोयला खदान में सुरक्षा प्रहरी के साथ मारपीट और लूटपाट का मामला सामने आया है। आरोपियों ने सुरक्षा प्रहरी से मोबाइल और नकदी छीनने के साथ खदान से करीब डेढ़ लाख रुपये कीमत का लोहा और कॉपर केबल भी चोरी किया मामले में मोबांवा पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर चोरी गए सामान की बरामदगी के प्रयास में जुटी है पुलिस के अनुसार घटना 18 अक्टूबर 2026 की है अजगुड निवासी शिवलाल खैलवार (20) और मान सिंह गोंड (22) पर सुरक्षा प्रहरी मनजीत सिंह के साथ मारपीट और लूटपाट करने का आरोप है।



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। हिन्दू धर्म परिषद के तत्वावधान में अटल पार्क में आयोजित गरबा नवरात्रि

फेस्टिवल-2026 में गुजरात की सांस्कृतिक छटा देखने को मिली विशाल मंच पर एक साथ 400 कलाकारों ने सामूहिक ओपन



गरबा नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। हजारों दर्शकों की मौजूदगी में आयोजित इस कार्यक्रम में भक्ति, संस्कृति और

उत्साह का अनूठ संगम देखने को मिला कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कलाकारों का उत्साहवर्धन करते

हुए आयोजन की सराहना की उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि अटल पार्क में गरबा महोत्सव को देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो गुजरात में यह आयोजन हो रहा हो एक साथ 400 कलाकारों का सामूहिक ओपन गरबा प्रदर्शन अटल पार्क जैसी सुविधायुक्त जगह पर ही संभव हो पाया है यहां से एक नई परंपरा की शुरुआत हो रही है, जो आगे चलकर पूरे प्रदेश और देश में अपनी पहचान बनाएगी उन्होंने आयोजन समिति की मेहनत और समर्पण की प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए शुभकामनाएं दीं उन्होंने कहा कि मां दुर्गा की

आराधना का पर्व सभी के जीवन में खुशियां और सकारात्मकता लेकर आए।
दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ शुभारंभ: कार्यक्रम का शुभारंभ उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने मां जगदंबा की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया इसके बाद गरबा प्रस्तुतियों का सिलसिला शुरू हुआ पारंपरिक अंदाज में सजे कलाकारों ने संगीत की धुनों पर सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया मां दुर्गा के जयकारों और दर्शकों की तालियों से पूरा परिसर गुंज उठा कलाकारों की प्रस्तुतियों ने आयोजन को यादगार बना दिया।
अतिथियों का स्मृति चिह्न देकर किया सम्मान: कार्यक्रम में

हिन्दू धर्म परिषद के संस्थापक नारायण डिगवानी, आजीवन संरक्षक अविराज, आयोजन प्रभारी हिमांशु सिंह सेगर, अध्यक्ष संजय तिवारी मुन्नी और संगठन प्रभारी अवधेश श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया विशिष्ट अतिथियों में विजय विलास के निदेशक सचिन सिंह, महाराजा पब्लिक स्कूल के चेयरमैन देवेंद्र सिंह, मार्गदर्शक डॉ. केके परीहा, डीपी सिंह परिहार, पन्नालाल अवस्थी, आजीवन संरक्षक रामकृष्ण अग्रवाल, सुमित गुप्ता और संतोष ताम्रकार शामिल रहे सभी अतिथियों ने नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए आयोजन की सराहना की।

कोठी के गरबा महोत्सव में राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने प्रतिभागियों संग किया डाडिया

जय हिंद गरबा महोत्सव में पारंपरिक नृत्य की धूम, राज्यमंत्री के साथ थिरके प्रतिभागी दर्शकों ने बढ़ाया उत्साह



मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। सतना जिले के कोठी में रविवार रात आयोजित जय हिंद गरबा महोत्सव में उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला अमर शहीद ठाकुर राममत सिंह स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदेश की राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी

मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई इस दौरान उन्होंने गरबा प्रतिभागियों के साथ डाडिया किया राज्यमंत्री को अपने बीच नृत्य करते देख प्रतिभागियों और दर्शकों में खासा उत्साह नजर आया।

पारंपरिक परिधानों में सजे प्रतिभागियों ने बांधा समां:

महोत्सव में प्रतिभागियों ने पारंपरिक परिधानों में गरबा और डाडिया की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं संगीत की मधुर धुनों और डाडिया की खनक से स्टेडियम का पूरा परिसर उत्सवी रंग में रंग गया प्रतिभागियों ने तालमेल के साथ पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया कार्यक्रम में राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया और उनके साथ डाडिया कर आयोजन की खुशियों में सहभागिता निभाई उनके नृत्य में शामिल होने से कार्यक्रम का उत्साह और बढ़ गया उपस्थित लोगों ने भी तालियों के साथ प्रतिभागियों का हौसला बढ़ाया।

कोठी में पहली बार हुआ गरबा महोत्सव: जय हिंद गरबा

महोत्सव का आयोजन कोठी में पहली बार किया गया आयोजन को लेकर स्थानीय लोगों में उत्साह देखा गया कार्यक्रम में धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक परंपराओं और सामाजिक एकजुटता की झलक दिखाई दी आयोजन का उद्देश्य भारतीय संस्कृति और पारंपरिक लोकनृत्यों को प्रोत्साहित करना रहा महोत्सव के आयोजक डॉ. जितेंद्र, डॉ. प्रभाकर और डॉ. दिवाकर गहवरार रहे आयोजन के माध्यम से स्थानीय स्तर पर सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया गरबा और डाडिया की प्रस्तुतियों के साथ कार्यक्रम ने लोगों को परंपरा और उत्सव से जुड़ने का अवसर दिया।

अटल पार्क में गरबा महोत्सव ने जीवंत किया गुजरात का नजारा : राजेंद्र शुक्ल

हिन्दू धर्म परिषद के विशाल मंच पर 400 कलाकारों ने किया सामूहिक गरबा, हजारों दर्शकों की मौजूदगी में शुरू हुई नई सांस्कृतिक परंपरा



मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। हिन्दू धर्म परिषद के तत्वावधान में अटल पार्क में आयोजित गरबा नवरात्रि

फेस्टिवल-2026 में गुजरात की सांस्कृतिक छटा देखने को मिली विशाल मंच पर एक साथ 400 कलाकारों ने सामूहिक ओपन



गरबा नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। हजारों दर्शकों की मौजूदगी में आयोजित इस कार्यक्रम में भक्ति, संस्कृति और

उत्साह का अनूठ संगम देखने को मिला कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कलाकारों का उत्साहवर्धन करते

हुए आयोजन की सराहना की उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने कहा कि अटल पार्क में गरबा महोत्सव को देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो गुजरात में यह आयोजन हो रहा हो एक साथ 400 कलाकारों का सामूहिक ओपन गरबा प्रदर्शन अटल पार्क जैसी सुविधायुक्त जगह पर ही संभव हो पाया है यहां से एक नई परंपरा की शुरुआत हो रही है, जो आगे चलकर पूरे प्रदेश और देश में अपनी पहचान बनाएगी उन्होंने आयोजन समिति की मेहनत और समर्पण की प्रशंसा करते हुए भविष्य में भी ऐसे सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए शुभकामनाएं दीं उन्होंने कहा कि मां दुर्गा की

आराधना का पर्व सभी के जीवन में खुशियां और सकारात्मकता लेकर आए।
दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ शुभारंभ: कार्यक्रम का शुभारंभ उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने मां जगदंबा की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया इसके बाद गरबा प्रस्तुतियों का सिलसिला शुरू हुआ पारंपरिक अंदाज में सजे कलाकारों ने संगीत की धुनों पर सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किया मां दुर्गा के जयकारों और दर्शकों की तालियों से पूरा परिसर गुंज उठा कलाकारों की प्रस्तुतियों ने आयोजन को यादगार बना दिया।
अतिथियों का स्मृति चिह्न देकर किया सम्मान: कार्यक्रम में

हिन्दू धर्म परिषद के संस्थापक नारायण डिगवानी, आजीवन संरक्षक अविराज, आयोजन प्रभारी हिमांशु सिंह सेगर, अध्यक्ष संजय तिवारी मुन्नी और संगठन प्रभारी अवधेश श्रीवास्तव ने अतिथियों का स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया विशिष्ट अतिथियों में विजय विलास के निदेशक सचिन सिंह, महाराजा पब्लिक स्कूल के चेयरमैन देवेंद्र सिंह, मार्गदर्शक डॉ. केके परीहा, डीपी सिंह परिहार, पन्नालाल अवस्थी, आजीवन संरक्षक रामकृष्ण अग्रवाल, सुमित गुप्ता और संतोष ताम्रकार शामिल रहे सभी अतिथियों ने नवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए आयोजन की सराहना की।

विजयादशमी: बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश

भारत त्योहारों और सांस्कृतिक परंपराओं का देश है। यहां बनाया जाने वाला प्रत्येक पर्व अपने भीतर कोई न कोई संदेश, आदर्श और जीवन की सीख समेटे हुए है। विजयादशमी यानी दशराहा भी ऐसा ही एक महत्वपूर्ण पर्व है, जो हमें सत्य, धर्म और न्याय के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। यह पर्व बुराई पर अच्छाई, अधर्म पर धर्म और असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है। भगवान श्रीराम द्वारा रावण का वध केवल एक पौराणिक घटना नहीं, बल्कि मानव जीवन के लिए एक शाश्वत संदेश है।

विजयादशमी का पर्व हमें भगवान श्रीराम के आदर्शों का स्मरण कराता है। श्रीराम का जीवन मर्यादा, त्याग, कर्तव्यनिष्ठ, धैर्य और आदर्श आचरण का प्रतीक है। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी धर्म और सत्य का मार्ग नहीं छोड़ा। दूसरी ओर, रावण विद्वान और शक्तिशाली होने के बावजूद अपने अहंकार, अधर्म और अनुचित आचरण के कारण विनाश को प्राप्त हुआ। यह प्रसंग बताता है कि ज्ञान, शक्ति और

वैभव का वास्तविक महत्व तभी है, जब उनका उपयोग मानवता और समाज के कल्याण के लिए किया जाए। अहंकार और अन्याय अंततः पतन का कारण बनते हैं। आज जब हम विजयादशमी के अवसर पर रावण के पुतलों का दहन करते हैं, तो हमें यह भी विचार करना चाहिए कि क्या हमारे भीतर की बुराइयों का अंत हो पाया है? समाज में भ्रष्टाचार, अपराध, हिंसा, नारी उत्पीड़न, लालच, भेदभाव और असहिष्णुता जैसी समस्याएं आज भी मौजूद हैं। कई बार व्यक्ति दूसरों की गलतियों पर सवाल उठाता है, लेकिन अपने आचरण का मूल्यांकन करने से बचता है। ऐसे में दशराहा हमें आत्ममंथन करने का अवसर प्रदान करता है। रावण के दस सिरों को प्रतीकात्मक रूप से काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, अहंकार, ईर्ष्या, द्वेष और अन्य दुराणों

से जोड़कर देखा जा सकता है। इन बुराइयों पर विजय प्राप्त करना ही पर्व की वास्तविक सार्थकता है।

वर्तमान समय में समाज और राष्ट्र के सामने अनेक चुनौतियां हैं। सामाजिक सद्भाव बनाए रखना, महिलाओं का सम्मान सुनिश्चित करना, युवाओं को सही दिशा देना, भ्रष्टाचार से लड़ना और मानवीय मूल्यों को मजबूत करना हम सभी की जिम्मेदारी है। केवल सरकार या प्रशासन के प्रयासों से इन समस्याओं का पूर्ण समाधान संभव नहीं है। इसके लिए प्रत्येक नागरिक को अपने कर्तव्यों के प्रति सजग होना होगा। परिवारों में अच्छे संस्कार, विद्यालयों में नैतिक शिक्षा और समाज में परस्पर सम्मान की भावना इन प्रयासों को मजबूती प्रदान कर सकती है। विजयादशमी हमें यह भी सिखाती है कि परिस्थितियां कितनी ही कठिन क्यों न हों, सत्य और न्याय के मार्ग पर चलने वाले व्यक्ति को निराश नहीं होना चाहिए। बुराई कभी-कभी शक्तिशाली दिखाई दे सकती है, लेकिन उसका स्थायित्व नहीं होता।

रावण दहन, ब्राह्मणों का अपमान अब बर्दाश्त नहीं

सनत जैन

भारत में दशहरे पर रावण दहन की परंपरा को लेकर अब एक नई बहस शुरू हो गई है। भगवान शिव की नगरी उज्जैन से उठी आवाज ने इस बहस को धार्मिक परंपरा, शास्त्रीय प्रमाण, ब्राह्मणों की अस्मिता और हिंदू समाज की एकता से जोड़ दिया है। अखिल भारतीय युवा ब्राह्मण समाज की ओर से रावण दहन करने वाली समितियों को कानूनी नोटिस भेजे जाने की खबर है। संगठन ने सात दिन के भीतर यह बताने की मांग की है, किस धर्मशास्त्र में रावण दहन का उल्लेख है? यह परंपरा कब तथा किन परिस्थितियों में शुरू हुई? संगठन का तर्क है, रावण के नाम पर ब्राह्मण समुदाय का अपमान अब स्वीकार नहीं किया जाएगा। रावण के चरित्र को केवल एक खलनायक के रूप में देखना भारतीय धार्मिक परंपराओं की जटिलता को नजरअंदाज करना है। रामायण में रावण लंका का शक्तिशाली राजा, शिवभक्त, विद्वान और वेदों का ज्ञाता बताया गया है। उसके व्यक्तित्व में असाधारण ज्ञान और अहंकार, दोनों के चित्र मिलते हैं। माता सीता का हरण उसका गंभीर अपराध था, जिसके कारण भगवान राम और रावण के बीच युद्ध हुआ। इसलिए रावण के ज्ञान और विद्वता को स्वीकार करने का अर्थ उसके कृत्यों का समर्थन करना नहीं हो सकता। इसी तरह, रावण के विद्वान ब्राह्मण होने के कारण उसके पुतले का दहन समस्त ब्राह्मण समुदाय का अपमान है, यह निष्कर्ष भी स्वतः नहीं निकाला जा सकता। यदि किसी आयोजन में किसी जाति या समुदाय को नीचा दिखाने की गंशा से रावण दहन किया जाता है, तो इस पर गंभीर चर्चा भी होनी चाहिए।

युवा ब्राह्मण संगठन ने जो सवाल उठाया है, वह धार्मिक परंपराओं के इतिहास और प्रमाणों की पड़ताल करने का अवसर देता है। यह जानना जरूरी है, रावण दहन की परंपरा का ऐतिहासिक विकास कैसे हुआ। विभिन्न क्षेत्रों में इसका स्वरूप किस प्रकार बदला। इसके लिए रामायण के विभिन्न संस्करणों, धार्मिक साहित्य, ऐतिहासिक अभिलेखों और लोकपरंपराओं का अध्ययन भी आवश्यक है। यह दावा करना कि शास्त्रों में रावण दहन का कोई उल्लेख नहीं है। इसके विपरीत यह कहना कि हर जगह इसका स्पष्ट शास्त्रीय निदेश मौजूद है। पर्याप्त प्रमाणों के बिना यह उचित नहीं होगा। धार्मिक परंपरएं केवल ग्रंथों से ही नहीं, बल्कि लोकाचार और ऐतिहासिक सामाजिक व्यवहार से भी विकसित होती हैं। इसलिए सवालों का जवाब अध्ययन और प्रमाणों से दिया जाना चाहिए, न कि केवल आस्था या विरोध के आधार पर इसी ब्राह्मणों से जोड़कर भी नहीं देखा जाना चाहिए। इस पूरे विवाद का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष हिंदू समाज की एकता है। सनातन परंपरा में अलग-अलग जातियों, समुदायों, मान्यताओं और धार्मिक व्याख्याओं के लिए स्थान रहा है। रावण को कहीं विद्वान के रूप में याद किया जाता है, कहीं दशहरे पर उसके पुतले का दहन बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक के रूप में होता है। कुछ समुदायों में रावण की पूजा भी की जाती है। इन विविध परंपराओं को समझना भारतीय समाज की सांस्कृतिक वास्तविकता को स्वीकार करना है। यदि रावण दहन को ब्राह्मणों के अपमान से जोड़कर देखा जाएगा और उसके विरोध को हिंदू समाज के विरुद्ध खड़ा कर दिया जाएगा। तो सामाजिक विभाजन बढ़ने का खतरा है। ब्राह्मण समुदाय को अपनी धार्मिक और सांस्कृतिक अस्मिता पर सवाल उठाने का अधिकार है। साथ ही, अन्य समुदायों को अपनी परंपराओं का पालन करने की स्वतंत्रता भी मिलनी चाहिए, बशर्ते वे कानून का उल्लंघन ना होता हो।

आज आवश्यकता इस बात की है, रावण दहन को लेकर उठे सवालों का उत्तर संवाद से दिया जाए। किसी परंपरा की ऐतिहासिकता की जांच करना अनुचित नहीं है। नाहीं किसी धार्मिक परंपरा का विरोध अपने आप में अपराध है। किसी कानूनी कार्रवाई का विरोध भी केवल असहमति नहीं, बल्कि कानून का उल्लंघन होना चाहिए। उज्जैन से उठी यह आवाज धार्मिक परंपराओं की व्याख्या, ब्राह्मणों की अस्मिता और हिंदू समाज की एकता पर नई बहस शुरू का संकेत है। सवाल यह नहीं कि कौन किसकी आस्था को पराजित करेगा, बल्कि यह है, क्या हम अपनी परंपराओं पर प्रमाण और विवेक के साथ चर्चा कर सकते हैं? रावण के ज्ञान को स्वीकार करना और उसके अहंकार तथा सीता हरण जैसे कृत्यों की आलोचना करना परस्पर विरोधी बातें नहीं हैं। उसी प्रकार, रावण दहन की परंपरा पर सवाल उठाना और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक मानना भी संवाद के दायरे में ही संभव है।

फर्जी डॉक्टरों के हाथों मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ आखिर कब तक

गिरफ्तारी के बाद रिहाई नहीं कठोर कार्रवाई और सजा से ही ठकेगा अवैध चिकित्सा का कारोबार देश में चिकित्सा व्यवस्था का उद्देश्य लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना और संकट के समय जीवन की रक्षा करना है, लेकिन जब इलाज करने वाला व्यक्ति ही फर्जी डिग्री और कागजी प्रमाणपत्रों के सहारे डॉक्टर बनकर बैठ जाए, तब आम आदमी की जिंदगी खतरे में पड़ जाती है । चिकित्सा जैसे संवेदनशील क्षेत्र में योग्यता, अनुभव और वैधानिक पंजीकरण अनिवार्य हैं । इसके बावजूद देश के विभिन्न हिस्सों में बिना मान्य डिग्री और आवश्यक पंजीकरण के मरीजों का इलाज करने वाले लोग सक्रिय हैं । राजस्थान में विशेष अपराध शाखा की कार्रवाई ने इस गंभीर समस्या की ओर एक बार फिर ध्यान आकर्षित किया है । सवाल यह है कि जब ऐसे लोग पकड़े जाते हैं, तब उनके विरुद्ध ऐसी प्रभावी कार्रवाई क्यों नहीं होती, जिससे दूसरे लोग भी इस गैरकानूनी धंधे में उतरने से पहले सौ बार सोचें ।

कातिलाल मांडोट

राजस्थान में विशेष अभियान के दौरान सामने आए दो मामले चिकित्सा व्यवस्था के लिए गंभीर चेतावनी हैं। जांच एजेंसियों के अनुसार, जालौर जिले के रानीवाड़ा क्षेत्र में रहने वाले नानंजी राम चौधरी ने कथित तौर पर फर्जी शैक्षणिक प्रमाणपत्रों के आधार पर चिकित्सा संबंधी डिग्रियां हासिल कीं और पंजीकरण करवाकर अस्पताल चलाने लगा। आरोप है कि उसने आठवीं तक पढ़ाई करने के बावजूद स्वयं को चिकित्सक के रूप में स्थापित किया और मरीजों के ऑपरेशन तक करने लगा। इसी प्रकार सीकर जिले के निवासी पंकज यादव के बारे में सामने आया कि कजाकिस्तान से एमबीबीएस करने के बाद वह भारत में विदेशी चिकित्सा स्नातक परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर सका। इसके बाद उसने कथित रूप से फर्जी डिग्री और अंकतालिका का सहारा लेकर पंजीकरण प्राप्त किया। इन मामलों में आरोपों की अंतिम पुष्टि न्यायिक प्रक्रिया के तहत होगी, लेकिन इनसे चिकित्सा प्रमाणपत्रों के सत्यापन की व्यवस्था पर गंभीर प्रश्न खड़े होते हैं।

फर्जी डिग्री से अस्पताल चलाना व्यवस्था की बड़ी चुक सबसे चिंताजनक पहलु यह है कि कोई व्यक्ति फर्जी प्रमाणपत्रों के आधार पर चिकित्सा क्षेत्र में प्रवेश कैसे कर लेता है। शैक्षणिक अंकतालिका से लेकर विश्वविद्यालय की डिग्री और चिकित्सा परिषद के पंजीकरण तक अनेक स्तरों पर जांच की व्यवस्था होनी चाहिए। यदि कोई व्यक्ति इन सभी प्रक्रियाओं को पार करके मरीजों का इलाज करने लगता है, तो केवल आरोपी को गिरफ्तार करना पर्याप्त नहीं है। यह भी पता लगाना आवश्यक है कि उसके दस्तावेजों का सत्यापन किसने किया, पंजीकरण किस आधार पर हुआ

और अस्पताल का संचालन संबंधित अधिकारियों की निगरानी में कैसे चलता रहा। चिकित्सा के क्षेत्र में फर्जीवाड़ा सामान्य धोखाधड़ी से कहीं अधिक गंभीर है, क्योंकि इसका सीधा संबंध मनुष्य के जीवन और स्वास्थ्य से है। गलत निदान, अनुचित दवाएं, संक्रमण से बचाव के नियमों की अनदेखी और बिना पर्याप्त प्रशिक्षण के ऑपरेशन मरीज को गंभीर संकट में डाल सकते हैं। विशेषकर गर्भवती महिलाओं, बुच्चों, बुजुर्गों और आपातकालीन स्थिति में अस्पताल पहुंचने वाले मरीजों के लिए ऐसे तथाकथित चिकित्सक जानलेवा साबित हो सकते हैं। मरीज डॉक्टर की डिग्री की जांच करने के बजाय उसके अनुभव और धरोसे पर विश्वास करता है। इसी विश्वास का दुरुपयोग करके अवैध चिकित्सा का कारोबार फलता-फूलता है। इस समस्या का एक कारण यह भी है कि

छोटे कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों में पर्याप्त चिकित्सक, विशेषज्ञ अस्पताल और सस्ती स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध नहीं होने से लोगों को स्थानीय क्लीनिकों पर निर्भर रहना पड़ता है। इसका अर्थ यह नहीं कि बिना योग्यता इलाज करने वालों को छूट दी जाए। बल्कि सरकार को ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के साथ अवैध चिकित्सा पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करना चाहिए। प्रत्येक अस्पताल और क्लीनिक को चिकित्सक की योग्यता, पंजीकरण सख्या तथा संबंधित संस्थान की वैधानिक स्थिति की जांच आसान होनी चाहिए। आम नागरिक भी आधिकारिक चिकित्सा परिषद के माध्यम से चिकित्सक का पंजीकरण सत्यापित कर सकें, ऐसी व्यवस्था उपयोगी साबित हो सकती है।

कानून का डर जरूरी जवाबदेही

सावधान..! आयु के साथ हड्डियाँ भी ढ़लती हैं इसे गंभीरता से लें

हड्डी एक गतिशील ऊतक है जो अस्थि निर्माण, मॉडलिंग और रीमॉडलिंग जैसी कई प्रक्रियाओं के माध्यम से लगातार बदलती और अनुकूलित होती रहती है। इसमें आमतौर पर अस्थि क्लास्ट और अस्थि ब्लास्ट की समन्वित गतिविधियाँ शामिल होती हैं। अस्थि ब्लास्ट वो प्रक्रिया है जिसमें विशेष कोशिकाएं नई हड्डी के निर्माण और हड्डी के विकास में मदद करती हैं। यह हड्डी में कैल्शियम और अन्य खनिजों को जमा करके नया अस्थि ऊतक तैयार करती हैं।

(विश्व ऑस्टियोपोरोसिस पर विशेष)

ऋतुपर्ण दवे

ब्लास्ट कोशिकाएं अपरिपक्व या शुरुआती स्तर की कच्ची कोशिकाएं होती हैं जो अस्थि मज्जा में बनती हैं और बाद में परिपक्व होकर लाल रक्त कोशिकाएं, श्वेत रक्त कोशिकाएं या प्लेटलेट्स में बदल जाती हैं। सामान्य अस्थि मज्जा में इनकी संख्या बहुत कम (5% से कम) होती है। यदि अस्थि मज्जा या रक्त में ब्लास्ट कोशिकाओं की संख्या 20% या उससे अधिक हो जाए, तो यह ल्यूकेमिया यानी रक्त कैंसर या अन्य अस्थि मज्जा विकारों का संकेत हो सकता है। जबकि अस्थि क्लास्ट विशेष प्रकार की अस्थि कोशिकाएं होती हैं, जिनका मुख्य काम पुरानी, क्षतिग्रस्त या अनावश्यक हड्डी के ऊतकों को तोड़ना और अवशोषित करना होता है। इस चक्र में गड़बड़ी से हड्डियों के स्वास्थ्य में जटिलताएं उत्पन्न हो सकती हैं। इनमें से एक जटिलता ऑस्टियोपोरोसिस है, जिससे विश्व स्तर पर लाखों लोग प्रभावित हैं। यह संख्या लगातार बढ़ती जा रही हैं। इससे अमूमन प्रतिवर्ष लगभग 9 लाख लोगों की हड्डियाँ टूटती हैं। ऑस्टियोपोरोसिस एक जटिल विकार है जो जीवनशैली, शारीरिक गतिविधियां, आनुवंशिकी, हार्मोनल और अंतःस्त्रावी तंत्र, सह-रुग्णता यानी पूर्व से मौजूदा रोग और कुछ दवाओं के उपयोग सहित कई कारकों से प्रभावित होता है।

इसी से बचाव, निदान और उपचार के लिए जागरूक करने के हेतु हर वर्ष 20 अक्टूबर को विश्व ऑस्टियोपोरोसिस डे अलग-अलग थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम है 'बिल्ड, प्रोटेक्ट, स्ट्रेनदन योर बोन्स फॉर लाइफ' यानी जीवन भर के लिए अपनी हड्डियों का निर्माण करें, रक्षा करें और उन्हें मजबूत बनाएं। ऑस्टियोपोरोसिस को साइलेंट यानी 'खामोश बीमारी' कहा जाता है क्योंकि शुरुआती दौर में इसके कोई स्पष्ट लक्षण नहीं दिखते हैं। प्रायः इसका पता तब चलता है जब मामूली झटके, छींकने या गिरने से हड्डी टूट जाती है। इसके कारण कूल्हे, रीढ़ और कलाई की हड्डियां टूटने का खतरा सबसे ज्यादा रहता है। विश्व ऑस्टियोपोरोसिस दिवस का मुख्य उद्देश्य लोगों में हड्डियों की कमजोरी और नाजुक होने की बीमारी के कारणों, इसकी रोकथाम और शुरुआती निदान व इलाज के प्रति वैश्विक जागरूकता बढ़ाना है। इस अभियान का नेतृत्व वैश्विक स्तर पर इंटरनेशनल ऑस्टियोपोरोसिस फाउंडेशन यानी आईओएफ द्वारा किया जाता है। सच तो यह है कि उम्र बढ़ने के साथ नई हड्डियों के बनने की तुलना में पुरानी हड्डियों के नष्ट होने की गति तेज हो जाती है। हार्मोनल बदलाव के चलते महिलाओं में मेनोपॉज यानी महावारी बंद होने के बाद एस्ट्रोजन हार्मोन की कमी से यह समस्या

तेजी से बढ़ती है। वहीं पुरुषों में 50-60 वर्ष की आयु के बाद जोखिम बढ़ जाता है। पोषण की कमी होने से भी शरीर में कैल्शियम और विटामिन-डी की भारी कमी हो जाती है जिससे भी हड्डी कमजोर हो जाती है और इसके टूटने का खतरा बढ़ जाता है। अन्य कारणों से भी हमारी हड्डियां कमजोर और क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। शारीरिक गतिविधियों में सक्रिय न रहना, धूम्रपान, अत्यधिक शराब पीना और कुछ खास दवाओं (जैसे स्टेरॉयड) का लंबे समय तक इस्तेमाल का भी प्रभाव पड़ता है। इससे बचाव के लिए भी सतर्क रह कर समय-समय पर जाँच आदि जरूरी है। इसका पता लगाने के लिए आमतौर पर प्रचलित साधारण एक्स रे की जगह डेक्सा स्कैन कराया जाता है जिसे चिकित्सकीय भाषा में बोन मिनरल डेंसिटी टेस्ट कहते हैं। ऑस्टियोपोरोसिस इसलिए भी बहुत खतरनाक हो जाता है क्योंकि इसके कोई शुरुआती लक्षण नहीं दिखते हैं। इस बीमारी में कोई संकेत भी नहीं मिलता है जिससे महसूस हो सके कि ऑस्टियोपोरोसिस से व्यक्ति घिरता जा रहा है। इस बीमारी में सिरदर्द, बुखार या पेट दर्द भी नहीं होता

जिससे पता चल सके कि शरीर में कुछ गड़बड़ी है। हाँ बहुत ही मामूली तौर पर शरीर में कुछ बदलाव नजर आ सकते हैं जो यह संकेत दे सकते हैं कि हड्डियां कमजोर या घनी हो रही हैं। ऑस्टियोपोरोसिस के संकेतों के लिए कुछ चेतावनियां भी हैं जैसे कलाई में इंच सवा इंच या उससे अधिक की कमी होना। स्वाभाविक शारीरिक मुद्रा में परिवर्तन, जैसे झुकना या आगे की ओर अधिक मुड़ना, सांस लेने में तकलीफ होती है जिसकी वजह रीढ़ की हड्डी में डिस्क के संकुचित होने से फेफड़ों की क्षमता कम हो जाती है। किसी व्यक्ति द्वारा अपने शारीरिक रूप में होने वाले बदलावों को पहचानना मुश्किल हो सकता है। इसकी स्वजन या अन्य लोग जिनसे आप कुछ अंतराल से मिल रहे हैं वही बता सकते हैं कि शरीर में क्या बदलाव दिख रहे हैं। इसके लिए एक सुझाव यह भी दिया जाता है कि स्वास्थ्य सेवा प्रदाता से मिलकर अस्थि घनत्व परीक्षण करवाना चाहिए। 50 वर्ष से अधिक आयु के लगभग एक तिहाई वयस्कों में, जिन्हें ऑस्टियोपोरोसिस नहीं है, ऑस्टियोपेनिया पाया जाता है। इसकी उम्र यह है कि उनकी हड्डियों का घनत्व उनकी उम्र के हिसाब से कम है। यह भी ऑस्टियोपोरोसिस के प्रारंभिक लक्षण है। यदि ऑस्टियोपेनिया का इलाज समय पर न किया गया तो यह शारीरिक पोरोसिस में परिवर्तित हो सकता है। इसलिए बढ़ती उम्र में ऐसी बीमारियों से बचने के लिए सचेत रहते हुए समय-समय पर जरूरी चिकित्सकीय परामर्श लेते रहना आवश्यक होता है।

हार्ईटेशन लाइन की चपेट में आने से मजदूर की मौत, मकान मालिक पर FIR

मीडिया ऑडिटर, अनूपपुर (निप्र)। कोतमा में 11 हजार केवी की हार्ईटेशन लाइन की चपेट में आने से मजदूर की मौत के मामले में पुलिस ने डेढ़ महीने बाद मकान मालिक के खिलाफ केस दर्ज किया है परिजनों का आरोप है कि मजदूर ने बिजली की चालू लाइन से खतरा बताते हुए काम करने से मना किया था लेकिन उस पर काम करने के लिए दबाव बनाया गया मामला 28 जुलाई का है कोतमा के वार्ड क्रमांक-4 में सुरेंद्र पांडे मकान और गोशाला का निर्माण करा रहा था निर्माण स्थल के ऊपर से 11 हजार केवी की चालू बिजली लाइन गुजर रही थी इसी दौरान बरावां निवासी मजदूर मोनू यादव करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया उसे कोतमा से शहडोल भलाई होते हुए रायपुर के डीकेएस अस्पताल रेफर किया गया, जहाँ 5 अंगुस्त को उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई पुलिस ने जांच के बाद मकान मालिक सुरेंद्र पांडे के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(1) के तहत मामला दर्ज किया है।

शिवपुरी में नवमी पर मंदिरों और दुर्गा पंडालों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

गणेश कुंड पर शुरू हुआ प्रतिमाओं का विसर्जन, मंगलवार रात निकलेगा भव्य दुर्गा चल समारोह माधव चौक पर बनेगा मंच

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। शारदीय नवरात्र की नवमी पर सोमवार को शिवपुरी में भक्ति और उत्साह का माहौल रहा सुबह से ही मंदिरों और दुर्गा पंडालों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी भक्तों ने मां दुर्गा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की घरों और पंडालों में कन्या भोज का आयोजन भी किया गया दोपहर तक मंदिरों और पूजा स्थलों पर धार्मिक अनुष्ठानों का सिलसिला चलता रहा नवरात्र के अंतिम दिन श्रद्धालुओं ने मां दुर्गा के दर्शन कर पूजा-अर्चना की शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित दुर्गा पंडालों में विशेष सजावट की गई थी कन्या पूजन और भोज के दौरान श्रद्धालुओं ने कन्याओं को भोजन कराकर उनका पूजन किया पूरे शहर में धार्मिक उल्लास का वातावरण देखने को मिला गणेश कुंड पर प्रतिमाओं का विसर्जन शुरू नवमी की पूजा-अर्चना के बाद



माता की प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला भी शुरू हो गया। नगर पालिका की ओर से गणेश पूजा-अर्चना के बाद प्रतिमाओं के विसर्जन की लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह दिखाई दिया मंगलवार रात निकलेगा दुर्गा चल समारोह नवरात्र उत्सव के समापन के साथ ही शहर में दुर्गा चल समारोह की तैयारियां तेज हो गई हैं मंगलवार दुर्गा को निकलने वाले इस समारोह में शहर के बड़े दुर्गा पंडालों की माता प्रतिमाएं

ताकि धार्मिक आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं को सुविधा मिल सके। नवरात्र के अंतिम दिन दुर्गा-अर्चना के बाद प्रतिमाओं के विसर्जन की लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह दिखाई दिया मंगलवार रात निकलेगा दुर्गा चल समारोह नवरात्र उत्सव के समापन के साथ ही शहर में दुर्गा चल समारोह की तैयारियां तेज हो गई हैं मंगलवार दुर्गा को निकलने वाले इस समारोह में शहर के बड़े दुर्गा पंडालों की माता प्रतिमाएं



शामिल होंगी। इसके साथ ही आकर्षक झांकियां भी निकाली जाएंगी, जिन्हें देखने के लिए बड़ी संख्या में लोगों के पहुंचने की संभावना है चल समारोह के दौरान माधव चौक पर विशेष मंच तैयार किया जाएगा। यहां विभिन्न कार्यक्रमों और प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा आयोजन रातभर चलने की उम्मीद है इसके लिए दुर्गा उत्सव समितियां तैयारियों में जुटी हैं आयोजन समितियों में उत्साह दुर्गा

चल समारोह को लेकर श्रद्धालुओं और आयोजन समितियों में खासा उत्साह है। नवरात्र के नौ दिनों तक चले धार्मिक कार्यक्रमों के बाद अब शहरवासियों को भव्य चल समारोह का इंतजार है माता की प्रतिमाओं आकर्षक झांकियों और विभिन्न आयोजनों के साथ शिवपुरी में नवरात्र उत्सव का समापन होगा शहर में धार्मिक माहौल बना हुआ है और आयोजन को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच रही हैं।

जिले में 30 अक्टूबर को सजेगा युवा प्रतिभाओं का मंच, जिला स्तरीय युवा उत्सव का होगा आयोजन

मीडिया ऑडिटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के युवाओं के लिए जिला स्तरीय युवा उत्सव 2026-27 का आयोजन 30 अक्टूबर को प्रातः 10 बजे से अबैडकर भवन, झगराखांड में किया जाएगा। जिला प्रशासन तथा खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा आयोजित इस उत्सव का उद्देश्य युवाओं को कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में अधिक अवसर प्रदान करना, उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करना तथा उन्हें अपनी कला एवं कौशल का प्रदर्शन करने के लिए मंच उपलब्ध करना है इस आयोजन के माध्यम से युवाओं की प्रतिभा को निखारने के साथ राज्य स्तरीय युवा उत्सव में जिले के प्रतिभागियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी एमसीबी जिला खेल अधिकारी कार्यालय द्वारा 19 अक्टूबर 2026 को जारी प्रेस विज्ञप्ति क्रमांक 192 के अनुसार, युवा उत्सव का आयोजन प्रतिवर्ष जिला एवं राज्य स्तर पर किया जाता है इसके अंतर्गत विभिन्न विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएगी जिनमें जिले के युवा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सबसे विभिन्न विधाओं में युवा दिखाएंगी अपनी प्रतिभा जिला स्तरीय युवा उत्सव 2026-27 में

युवाओं के लिए विभिन्न सांस्कृतिक एवं रचनात्मक विधाओं को शामिल किया गया है। इनमें विकसित भारत चैलेंज ट्रैक में 3 प्रतिभागी, लोक गायन (एकल) में 7 प्रतिभागी एवं 3 संगतकार सहित कुल 10 प्रतिभागी, लोक नृत्य (दलीय) में 7 प्रतिभागी एवं 3 संगतकार सहित कुल 10 प्रतिभागी, चित्रकला (एकल) में 1 प्रतिभागी कविता लेखन (एकल) में 1 प्रतिभागी, नुककड़ नाटक (दलीय) में 10 प्रतिभागी किराटिब यूथ चैलेंज में 1 प्रतिभागी, पारंपरिक वेशभूषा में 1 प्रतिभागी तथा रॉक बैंड में 10 प्रतिभागियों के लिए अवसर निर्धारित किए गए हैं सभी विधाओं में 15 से 29 वर्ष तक के प्रतिभागी भाग ले सकते हैं जबकि संगतकारों के लिए आयु सीमा 18 से 40 वर्ष निर्धारित की गई है यह आयु सीमा 17 अगस्त 2026 की स्थिति में मान्य होगी हालांकि रॉक बैंड विधा का आयोजन केवल राज्य स्तर पर किया जाएगा 15 अक्टूबर से शुरू हुआ पंजीयन, QR कोड और My Bharat पोर्टल से करना होगा आवेदन जिला स्तरीय युवा उत्सव में भाग लेने के इच्छुक प्रतिभागियों के पंजीयन की प्रक्रिया 15 अक्टूबर 2026 से प्रारंभ हो चुकी है।

स्टेशनरी से बाढ़ राहत तक की थीम, दुर्गा पंडालों में दिखी अनूठी कल्पना

बांके बिहारी मंदिर और छत्तीसगढ़ी गांव की झलक बनी आकर्षण, सुबह 4 बजे तक उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़



मीडिया ऑडिटर, बिलासपुर (निप्र)। दुर्गात्सव के अवसर पर बिलासपुर में सजे आकर्षक दुर्गा पंडाल इन दिनों लोगों के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। कहीं किताब-कॉपी और पेन-पेंसिल से मां दुर्गा का दरबार सजाया गया है, तो कहीं बाढ़ में फंसे लोगों के राहत एवं बचाव कार्यों को झांकी के माध्यम से जीवंत किया गया है वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर की झलक और छत्तीसगढ़ के पारंपरिक गांव की थीम ने भी श्रद्धालुओं का ध्यान खींचा है। रविवार रात पंडालों में उमड़ी भीड़ सोमवार सुबह चार बजे तक बनी रही मसानगंज में 18

लाख की स्टेशनरी थीम मसानगंज नवयुवक दुर्गात्सव समिति ने किताब, कॉपी, पेन, पेंसिल, रबर और शार्पनर सहित स्टेशनरी सामग्री से मां का दरबार सजाया है। आयोजन पर 18 लाख रुपये से अधिक खर्च किए गए हैं। इन सामग्रियों को बाद में आदिवासी क्षेत्रों के सरकारी स्कूलों के बच्चों में वितरित करने की योजना है बाढ़ राहत और बचाव की झांकी शिव टॉकीज चौक-टिकरापारा में सिंहवाहिनी दुर्गा उत्सव समिति ने पहली बार बाढ़ राहत और बचाव कार्यों पर आधारित झांकी तैयार की है इसमें नाव और हेलीकॉप्टर की

हुए हैं त्रिनेत्र थीम और अनूठी परंपरा साईंस कॉलेज मैदान में शिवदुति दुर्गा उत्सव के तहत 'त्रिनेत्र' थीम पर मां का दरबार सजाया गया है। यहां देवी भागवत कथा और सेवा की थाली अभियान के तहत भोजन वितरण भी किया जा रहा है। दूसरी ओर, मिलन मंदिर में वर्ष 1956 से एक ही लकड़ी पर मां दुर्गा की प्रतिमा बनाने की परंपरा जारी है धार्मिक आस्था, सामाजिक सरोकार और रचनात्मक सजावट के अनूठे संगम ने बिलासपुर के दुर्गात्सव को खास बना दिया है।



नर्मदापुरम में गट्टे से बिगड़ा कार का संतुलन, पेड़ पर चढ़ी तेज रफ्तार गाड़ी

आरी-सांगाखेड़ा मार्ग पर रविवार शाम हादसा, कार सवार सुरक्षित भारी वाहनों की आवाजाही से सड़क बदहाल, ग्रामीणों ने की मरम्मत की मांग



मीडिया ऑडिटर, नर्मदापुरम (निप्र)। जिले के साखननगर क्षेत्र में आरी-सांगाखेड़ा मार्ग पर रविवार शाम एक बड़ी हादसा होते-होते टल गया तेज रफ्तार कार सड़क से उतरकर सीधे पेड़ पर चढ़ गई घटना शाम करीब 7 बजे की

बताई जा रही है राहत की बात यह रही कि कार में सवार सभी लोग सुरक्षित बच गए और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है प्रारंभिक तौर पर सड़क पर बने गड्ढे के कारण वाहन का संतुलन बिगड़ने की आशंका जताई जा रही है ग्रामीण एवं किसान केशव साहू के मुताबिक, शाम के समय एक कार तेज रफ्तार से जा रही थी। इसी दौरान सड़क पर बने गड्ढे के पास चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सका और कार सड़क से उतरकर पेड़ पर चढ़ गई हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर पहुंचे गनीमत रही कि दुर्घटना में किसी को चोट नहीं आई तवा पुल बंद होने से बढ़ा यातायात का दबाव ग्रामीणों के अनुसार तवा पुल क्षतिग्रस्त होने के कारण बंद है इसके चलते भारी वाहनों की आवाजाही आरी और सांगाखेड़ा कला मार्ग से हो रही है लगातार भारी

वाहनों के गुजरने से सड़क की हालत खराब हो गई है और जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन गए हैं इससे छोटे वाहनों के चालकों और स्थानीय ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है बार-बार हो रहे हादसों से ग्रामीण चिंतित स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क की बदहाल स्थिति के कारण दुर्घटनाओं का खतरा लगातार बना हुआ है खासकर शाम और रात के समय रोशनी कम होने से गड़्ढों का अंदाजा लगाना मुश्किल हो जाता है पैसे में वाहन चालकों को अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ती है ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से आरी-सांगाखेड़ा मार्ग की तत्काल मरम्मत करने और सड़क को सुरक्षित बनाने की मांग की है उनका कहना है कि समय रहते सड़क की स्थिति में सुधार नहीं किया गया तो भविष्य में गंभीर हादसा हो सकता है।

पुरानी अलमारी काटते समय मिले सोने-चांदी के जेवर और नकदी, मजदूर ने लौटाया सामान

स्क्रैप कारोबारी मदन शाक्य और कर्मचारी अमृतलाल ने पेश की ईमानदारी की मिसाल, सामान मिलने पर मालिक ने किया सम्मानित

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। शहर में ईमानदारी की मिसाल पेश करने वाला मामला सामने आया है पुरानी अलमारी काटते समय उसमें रखे सोने-चांदी के जेवर और नकदी मिलने पर एक कर्मचारी ने बिना देर किए इसकी जानकारी अपने मालिक को दी इसके बाद स्कूप कारोबारी ने अलमारी के पुाने मालिक से संपर्क कर पूरा सामान उन्हें लौटा दिया। ईमानदारी के इस कार्य की क्षेत्र में सराहना हो रही है जानकारी के अनुसार यह मामला खेड़ापति हनुमान मंदिर के पास स्थित स्कूप कारोबारी मदन शाक्य की दुकान का है पुरानी



शिवपुरी निवासी मनोज शर्मा ने तीन दिन पहले अपनी पुरानी अलमारी मदन शाक्य को बेची थी। रविवार को मदन शाक्य ने अपने कर्मचारी अमृतलाल को अलमारी काटने के लिए कहा सामान मिलते ही मालिक को दी

सूचना अलमारी काटने के दौरान उसमें सोने-चांदी के जेवर और नकदी मिली। सामान देखकर कर्मचारी अमृतलाल ने उसे अपने पास रखने के बजाय तुरंत मदन शाक्य को इसकी जानकारी दी इसके बाद मदन शाक्य ने

अलमारी बेचने वाले मनोज शर्मा से संपर्क किया और उनके घर पहुंचकर अलमारी से मिला पूरा सामान वापस कर दिया ईमानदारी के लिए किया सम्मानित अपना कमीती सामान वापस मिलने पर मनोज शर्मा ने मदन शाक्य और कर्मचारी अमृतलाल की ईमानदारी की सरहना की उन्होंने दोनो को सम्मानित किया और नकद इनाम भी दिया इस घटना ने एक बार फिर साबित किया कि ईमानदारी और नैतिकता आज भी समाज में महत्वपूर्ण स्थान रखती हैं कारोबारी और कर्मचारी के इस व्यवहार की लोग प्रशंसा कर रहे हैं।

तेज बारिश ने किसान की उम्मीदों पर फेरा पानी, 70 क्विंटल मक्का नाले में बही

मीडिया ऑडिटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के कोलारस विधानसभा क्षेत्र के सुपेला गांव में रविवार शाम हुई तेज बारिश ने किसान की मेहतत पर पानी फेर दिया घर के बाहर सुखाने के लिए रखी करीब 140 क्विंटल मक्का में से लगभग 70 क्विंटल पानी के तेज बहाव में बहकर नाले में चली गई अचानक हुए इस नुकसान से किसान रंजीत यादव को आर्थिक झटका लगा है ग्रामीणों की मदद से शेष मक्का को बहने से बचाया गया शाम पांच बजे अचानक बदला मौसम किसान रंजीत यादव के मुताबिक, उन्होंने अपनी उजड़ को सुखाने के लिए घर के बाहर फैलाकर रखा था रविवार शाम करीब पांच बजे अचानक तेज आंधी के साथ बारिश शुरू हो गई कुछ ही देर में बारिश का पानी तेजी से बहने लगा और देखते ही देखते मक्का उसकी चपेट में आ गई करीब

आधी उपज पानी के साथ बहकर नाले में पहुंच गई घटना के दौरान कुछ मक्का हाड़े की पुलिया में भी फंस गई स्थिति बिगड़ी देख ग्रामीणों ने मौके पर पहुंचकर बची हुई मक्का को सुक्षित रखने में मदद की। हालाँकि, तब तक किसान को काफी नुकसान हो चुका था इस साल मक्का की अच्छी पैदावार और बाजार में बेहतर भाव मिलने से किसान उत्साहित थे रंजीत यादव को भी अपनी उजड़ से अच्छी आमदनी होने की उम्मीद थी लेकिन अचानक हुई तेज बारिश ने उनकी उम्मीदों को झट्का दे दिया घर केबाहर सुखाने रखी उजड़ का बड़ा हिस्सा बह जाने से अब उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। खुले स्थान पर कृषि उपज सुखाने वाले किसानों के लिए अचानक होने वाली बारिश पेखानी च वक़्त बर्बाद रही है मुखेला गांव की इस घटना ने एक बार फिर फसल को सुरक्षित रखने की चुनौती सामने ला दी है।



मीडिया ऑडिटर, बिलासपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सलवा जुद्ध से जुड़े रहे पूर्व पुलिसकर्मियों की सेवा शर्तों और कथित भेदभाव से संबंधित याचिका पर सख्त रख अपनाया है

न्यायालय ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर छह सप्ताह के भीतर जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं याचिका में जवानों ने आरोप लगाया है कि छत्तीसगढ़ आर्मड पुलिस फोर्स में शामिल किए जाने के बाद भी उनके सेवा

संबंधी अधिकारों और पात्रताओं पर उचित तरीके से विचार नहीं किया जा रहा है उन्होंने इस मामले में न्यायसंगत कार्रवाई की मांग की है याचिकाकर्ताओं का कहना है कि लंबे समय से उनकी सेवा शर्तों और अधिकारों के मामले में कथित भेदभाव किया जा रहा है। उनका आग्रह है कि उनकी सेवा अवधि, पात्रता और अन्य सेवा संबंधी दावों का नियमानुसार परीक्षण किया जाए। जवानों ने संबंधित प्रबंधनों के तहत उन्हें मिलने वाले अधिकारों पर निष्पक्ष विचार करने की मांग उठाई है समानता के अधिकार के उल्लंघन का मुद्दा याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता फतेश कुमार साहू और विद्याभूषण सोनी संयुक्त रूप से पेश कर रहे हैं। उन्होंने संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 का हवाला देते हुए समानता के अधिकार

तथा सार्वजनिक रोजगार में अवसर की समानता से जुड़े सवाल उठाए हैं याचिका में कहा गया है कि संबंधित कर्मियों की सेवा शर्तों और पात्रताओं पर उचित विचार होना चाहिए, ताकि उनके साथ कथित रूप से हो रही असमानता का समाधान किया जा सके। हाईकोर्ट ने मामले में राज्य सरकार से जवाब मांगा है अब सरकार के जवाब और संबंधित पक्षों की दलीलों के आधार पर आगे की न्यायिक प्रक्रिया बड़ेगी फिलहाल याचिकाकर्ताओं के आरोपों पर अंतिम निर्णय नहीं हुआ है 2005 के आसपास शुरू हुआ था सलवा जुद्ध अभियान सलवा जुद्ध अभियान वर्ष 2005 के आसपास बस्तत क्षेत्र में नक्सलवाद के खिलाफ शुरू हुआ था। इस अभियान से जुड़े कुछ युवाओं को विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ)

के रूप में नियुक्त किया गया था। बाद में एसपीओ की भूमिका और उनके सशस्त्र नक्सल विरोधी अभियानों में इस्तेमाल को लेकर मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा वर्ष 2011 में सुप्रीम कोर्ट ने एसपीओ के सशस्त्र नक्सल विरोधी अभियानों में इस्तेमाल पर रोक लगाई थी। इसके बाद सलवा जुद्ध से जुड़े कुछ कर्मियों को छत्तीसगढ़ आर्मड पुलिस फोर्स में शामिल किया गया अब इन कर्मियों की सेवा शर्तों, पात्रताओं और अधिकारों को लेकर हाईकोर्ट में याचिका दायर की गई है इस मामले में अब राज्य सरकार के जवाब पर नजर रहेगी याचिकाकर्ताओं को उम्मीद है कि उनकी सेवा संबंधी मांगों पर निष्पक्ष विचार होगा और कथित भेदभाव के मुद्दे का न्यायसंगत समाधान निकलेगा।

संक्षिप्त समाचार

छतरपुर में ट्रैक्टर ने बाइक को मारी टक्कर, 2 गंभीर घायल, अस्पताल में मर्ती, ब्रजपुरा-मौरावा फोरलेन पर हुआ हदसा



मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में रविवार शाम फोरलेन पर ट्रैक्टर और बाइक की टक्कर हो गई। टक्कर के बाद बाइक में आग लग गई और वह पूरी तरह जल गई। हादसे में निवाड़ी जिले के दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने उन्हें बाइक से बाहर निकाला। इसके बाद छाट्टु की एंबुलेंस से दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। मैहर माता के दर्शन करने जा रहे थे दोनों युवक घायलों की पहचान निवाड़ी जिले के सकेरा गांव निवासी फूल सिंह (20) और सुरेश (28) के रूप में हुई है। दोनों बाइक से मैहर माता के दर्शन करने जा रहे थे। हादसे में एक युवक के पैर में गंभीर चोट आई है।

पुलिस को नहीं मिली थी हादसे की सूचना : यह हादसा ब्रजपुरा और मौराहा गांव के बीच फोरलेन पर हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रैक्टर गलत दिशा से आ रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार बाइक उससे टकरा गई। हालांकि, ट्रैक्टर की दिशा और हादसे के कारणों की आधिकारिक पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। सिविल लाइन थाना प्रभारी आशुतोष श्रेत्रिय ने बताया कि पुलिस को पहले हादसे की जानकारी नहीं मिली थी। अब मामले की जांच की जा रही है। घायलों के बयान के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार के लिए आवेदन 25 अक्टूबर तक

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा) अंतर्गत वर्ष 2025-26 के लिए ‘सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार’ एवं ‘बेस्ट आत्मा जिला पुरस्कार’ हेतु पात्र एवं इच्छुक कृषकों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 25 अक्टूबर 2026 निर्धारित की गई है। कृषकों से निर्धारित समय-सीमा में आवेदन प्रस्तुत करने का आग्रह किया गया है। कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य, नवाचार तथा उन्नत कृषि तकनीकों को अपनाकर उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाले कृषकों का निर्धारित मापदंडों के अनुसार मूल्यांकन कर पुरस्कार के लिए चयन किया जाएगा। कृषि विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार प्रत्येक विकासखंड से 5 उत्कृष्ट कृषकों का चयन कर रुपये-10,000 प्रति कृषक की पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। वहीं जिला स्तर पर चयनित 10 उत्कृष्ट कृषकों को रुपये- 25,000 प्रति कृषक की पुरस्कार राशि से सम्मानित किया जाएगा। पुरस्कार के माध्यम से कृषि क्षेत्र में नवाचार एवं उन्नत तकनीकों को अपनाने वाले कृषकों को प्रोत्साहित किया जाएगा। पात्र कृषक निर्धारित प्रारूप में अपना आवेदन संबंधित आत्मा कार्यालय अथवा वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय में आवश्यक अभिलेखों सहित प्रस्तुत कर सकते हैं।

बदलते मौसम में निमोनिया से बचाव एवं उपचार की दी सलाह

मीडिया ऑडीटर, सीहोर (निप्र)। बदलते मौसम में बच्चों में निमोनिया के लक्षणों की पहचान एवं उसके उपचार एवं प्रबंधन के लिए स्वास्थ्य विभाग ने आम जनों को सलाह दी है कि निमोनिया के आकलन, निमोनिया का वर्गीकरण, खतरनाक लक्षणों के चिन्हों की पहचान, समुदाय आधारित निमोनिया का प्रबंधन, उपचार एवं रेफरल के संबंध में मैदानी कार्यकर्ताओं को जानकारी दी गई। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि बदलते मौसम में बच्चों को निमोनिया के लक्षणों की पहचान एवं इसके उपचार एवं प्रबंधन के लिए विभाग तैयार है। जिले के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्र की एमएएम को निमोनिया के संबंध जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि सर्दी के मौसम में बच्चों में निमोनिया के केसस ज्यादा पाए जाते हैं। इसे देखते हुए मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को अवगत किया गया है। जिससे कि वह अपने क्षेत्र में निमोनिया के लक्षण वाले बच्चों की शीघ्र पहचान कर शीघ्र प्रबंधन कर सकें। निमोनिया फेफड़े का संक्रमण है। जिससे फेफड़ें में सूजन हो जाती है। निमोनिया होने पर बुखार खांसी और सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। तेज सांस चलना या छाती का धंसना निमोनिया के दो मुख्य चिन्ह है। प्रशिक्षण में शिशु रोग विशेषज्ञों द्वारा बच्चों में सांस की दर को गिनकर निमोनिया के लक्षणों की पहचान के संबंध में जानकारी दी गई।

रतलाम में नकली सोना-चांदी बेचने की कोशिश, 6 आरोपी गिरफ्तार

3 महिलाएं भी शामिल, पुलिस ने 30 हजार नकद, 14Kg नकली आभूषण जब्त किए

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम में नकली सोने-चांदी के आभूषण असली बताकर ठगी करने की कोशिश के मामले में पुलिस ने 6 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें 3 महिलाएं शामिल हैं। आरोपी पिछले 11 दिन से शहर के महावीर नगर में किराये के मकान में रह रहे थे। आरोपियों के पास से नकली सोने-चांदी के आभूषण, चांदी के सिक्के, 30 हजार रुपए नकद और इलेक्ट्रिक तौल कांटा बरामद किया गया है। एसपी अमित कुमार ने रविवार दोपहर पुराने कटौल रूम में मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि 16 अक्टूबर को सूचना मिली थी कि हरियाणा के फरीदाबाद से आए कुछ महिला और पुरुष रतलाम में नकली सोने-चांदी के आभूषण बेचने की फिराक में हैं। आरोपियों ने रतलाम में बर्तन व्यवसायी मुस्तफा तांबावाला की दुकान पर जाकर सोने का एक टुकड़ा असली बताकर बेचने की कोशिश की थी। व्यापारी को संदेह



होने पर उसने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद माणकचौक थाना पुलिस की विशेष टीम ने निगरानी कर तीन पुरुषों और तीन महिलाओं को पकड़ा। पुलिस का कहना है कि आरोपियों से पूछताछ में उत्तर प्रदेश-बिहार में भी ठगी की घटनाओं में उनकी संभावित सलिसता की जानकारी मिली है। इन मामलों की पुष्टि और अन्य संभावित वारदातों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। पुलिस मुख्यालय भोपाल की सीआईडी को भी आरोपियों के संबंध में जानकारी दी जा रही है।

11 दिन से महावीर नगर में किराये पर

खंडवा में एक घंटे की बारिश से बदला मौसम

रबी की बोवनी को फायदा, लेकिन गरबा-दशहरे की तैयारियों पर फिरा पानी

मीडिया ऑडीटर, खंडवा (निप्र)। खंडवा में रविवार शाम तेज बारिश हुई। शाम करीब 6 बजे शुरू हुआ बारिश का दौर रात 7 बजे तक जारी रहा। इस दौरान करीब एक इंच बारिश होने की जानकारी है। बारिश से रबी सीजन की बोवनी के लिए तैयार खेतों में नमी बढ़ने की उम्मीद है। वहीं, खेतों में खड़ी मक्का और कपास की फसल पर नुकसान की आशंका जताई जा रही है। शहर में कई गरबा पांडालों के रविवार रात के कार्यक्रम निरस्त कर दिए गए। दशहरे के लिए तैयार किए जा रहे रावण के पुतले भी भीग गए। जिले में किसान रबी सीजन की बोवनी की तैयारी कर रहे हैं। कई किसानों ने अगली फसल के लिए खेत तैयार कर लिए हैं। ऐसे में बारिश से खेतों में नमी बढ़ने की उम्मीद है, जिससे बोवनी की तैयारी में मदद मिल सकती है। हालांकि, जिले के कई इलाकों में मक्का और कपास की फसल अभी खेतों में खड़ी है। किसानों को चिंता है कि इस समय हुई बारिश से फसलों को नुकसान हो सकता



है। वास्तविक नुकसान का आकलन फसलों की स्थिति और खेतों में पानी जमा होने की जानकारी के बाद ही हो सकेगा।

बारिश से गरबा पांडालों के कार्यक्रम निरस्त: नवरात्रि के चलते शहर में जगह-जगह गरबा पांडाल सजाए गए हैं। रविवार रात भी यहां गरबा और अन्य

धार्मिक-सांस्कृतिक कार्यक्रम होने थे। लेकिन तेज बारिश के कारण पांडालों में पानी पहुंच गया और आयोजन स्थल गीले हो गए। इसके चलते कई पांडालों में रविवार रात के कार्यक्रम निरस्त कर दिए गए। नवरात्रि के अंतिम दिनों में गरबा आयोजनों में बड़ी संख्या में श्रद्धालु और प्रतिभागी शामिल हो रहे हैं। कार्यक्रम निरस्त होने से आयोजकों और प्रतिभागियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

बारिश में भीगे रावण के पुतले: दशहरे के लिए शहर में रावण के पुतले तैयार किए जा रहे हैं। कारीगर इन्हें अंतिम रूप देने में जुटे थे, लेकिन रविवार शाम हुई बारिश से पुतले भीग गए। इससे उन्हें तैयार करने का काम प्रभावित हुआ है। पुतलों में इस्तेमाल होने वाली सामग्री भीगने से उन्हें सुखाने और तैयारी पूरी करने में अतिरिक्त समय लग सकता है। दशहरे से पहले पुतलों को तैयार कर आयोजन स्थल तक पहुंचाना होता है। ऐसे में मौसम साफ होने के बाद ही तैयारी का काम आगे बढ़ सकेगा।

नर्मदापुरम में पेड़ पर चढ़ी तेज रफ्तार कार

गड्ढे की वजह से अंधेरे में संतुलन बिगड़ा, बाल-बाल बचे सवार

मीडिया ऑडीटर, नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम के माखननगर में आरी-सांगाखेड़ा के बीच तेज रफ्तार कार पेड़ पर चढ़ गई। हादसा रविवार शाम करीब 7 बजे हुआ। गनीमत रही कि हादसे में कोई घायल नहीं हुआ, सभी लोग सुरक्षित हैं। एक्सिडेंट सड़क पर गड्ढे में संतुलन बिगड़ने की वजह से होने की बात कही जा रही है। किसान एवं ग्रामीण केशव साहू ने बताया कि शाम करीब 7 बजे की घटना है, जब एक कार सड़क से उतरकर सीधे पेड़ पर चढ़ गई। हादसे में कोई घायल नहीं है। आशंका है कि तेज रफ्तार कार का गड्ढे में संतुलन बिगड़ा और वह पेड़ पर चढ़ गई।

आए दिन दुर्घटना, रोड सुधरवाने की मांग: ग्रामीणों के मुताबिक तवा पुल क्षतिग्रस्त होने से बंद है, जिस कारण भारी वाहनों का ट्रैफिक आरी, सांगाखेड़ा कला होते हुए निकल रहा है। भारी वाहनों के आवागमन से सड़क में बड़े-बड़े गड्ढे हो गए हैं, जहां से छोटे वाहन और ग्रामीणों को परेशानी हो रही है। आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से रोड बनवाने की मांग की है।



सागर के बिलहरा में जुआ फड़ पर पुलिस की दबिश

6 गिरफ्तार: 29,300 रुपए नकद, 3 मोबाइल और ताश पते जब्त



मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के बिलहरा में सुरखी थाना पुलिस ने जुआ फड़ पर दबिश देकर 6 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से 29,300 रुपए नकद, 3 मोबाइल और ताश पते जब्त किए हैं।

आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

गणेश चौक के पास चल रहा था जुआ : पुलिस के अनुसार, रविवार रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि बिलहरा

दशहरा पर्व की तैयारियों को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों ने जैन कालेज मैदान का किया निरीक्षण

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। दशहरा पर्व के आयोजन को लेकर जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा तैयारियों का जायजा लिया जा रहा है। दशहरा पर्व के आयोजन को शांतिपूर्ण, व्यवस्थित एवं सुरक्षित रूप से संपन्न कराने के उद्देश्य से प्रशासन एवं पुलिस विभाग द्वारा समन्वय के साथ व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

दशहरा मैदान (जैन कॉलेज ग्राउंड) का वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने आयोजन स्थल का भ्रमण कर दशहरा पर्व के दौरान की जाने वाली विभिन्न व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने आयोजन स्थल पर उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए दशहरा पर्व के अवसर रावण दहन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं एवं नागरिकों की संभावित उपस्थिति को ध्यान



में रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाओं की जानकारी ली। आयोजन स्थल की व्यवस्था , सुरक्षा प्रबंध, यातायात व्यवस्था सहित अन्य आवश्यक बिंदुओं पर स्थल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती मीना मसराफ, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मोनिका तिवारी, एसडीएम श्री मनोष जैन, नगर पुलिस अधीक्षक श्री अतुल सिंह, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री दुर्गेश ठाकुर, रक्षित निरीक्षक पुलिस लाइन श्री नीरज सिंह सिकरवार,

विदिशा जिले में रिएक्टिव पावर कंपनसेशन क्षमता हुई मजबूत

7 ईएचवी सबस्टेशनों में 120 एमवीएआर क्षमता के 10 कैपेसिटर बैंक संचालित

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) द्वारा विदिशा जिले की विद्युत पारेषण व्यवस्था में रिएक्टिव पावर कंपनसेशन के लिए 120 एमवीएआर क्षमता के 10 कैपेसिटर बैंक संचालित किए जा रहे हैं। जिले के 7 एक्स्ट्रा हाई टेंशन (ईएचवी) सबस्टेशनों में उपलब्ध इन कैपेसिटर बैंकों से वोल्टेज प्रोफाइल बेहतर बनाए रखने तथा उपभोक्ताओं को मानक वोल्टेज पर गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिल रही है।

विदिशा जिले के 7 सबस्टेशनों में 10 कैपेसिटर बैंक: विदिशा जिले में 220 केवी के दो सबस्टेशन गंज बासोदा एवं विदिशा तथा 132 केवी के पांच सबस्टेशन सहरवासा, लटेरी, शमशाबाद, ग्यारसपुर और सिरोंज शामिल हैं। इन 7 ईएचवी सबस्टेशनों में कुल 120 एमवीएआर क्षमता के 10 कैपेसिटर बैंक संचालित हैं। इनके माध्यम से विद्युत प्रणाली को आवश्यक रिएक्टिव पावर सपोर्ट मिलता



है, जिससे वोल्टेज स्थिरता बनाए रखने में सहायता मिलती है।

प्रदेश में 750 कैपेसिटर बैंक संचालित: एमपी ट्रांसको द्वारा पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 और वर्तमान वित्तीय वर्ष 2026-27 में अब तक 29 नए कैपेसिटर बैंक

स्थापित कर ऊर्जाकृत किए गए हैं। वर्तमान में प्रदेश में कुल 750 कैपेसिटर बैंक क्रियाशील हैं, जिनकी संयुक्त स्थापित क्षमता 9383.5 एमवीएआर है। यह क्षमता प्रदेश की अब तक की अधिकतम रिएक्टिव पावर मांग 6776 एमवीएआर से लगभग 38 प्रतिशत अधिक है।

विद्युत गुणवत्ता और वोल्टेज स्थिरता में सुधार: प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया कि प्रदेश शासन की मंशानुरूप उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए एमपी ट्रांसको अपने ईएचवी सबस्टेशनों में आवश्यकता के अनुसार कैपेसिटर बैंक स्थापित कर रही है। कंपनी के 418 सबस्टेशनों में से अधिकांश में विभिन्न क्षमताओं के कैपेसिटर बैंक संचालित हैं। पुराने सबस्टेशनों में भी जरूरत के अनुसार नए कैपेसिटर बैंक स्थापित किए जा रहे हैं और मौजूदा बैंकों की क्षमता बढ़ाई जा रही है।

52 पुराने कैपेसिटर बैंक किए गए प्रतिस्थापित :

एमपी ट्रांसको के मुख्य अभियंता टेस्टिंग एम.वाई. मंसूरी ने बताया कि कंपनी ने ऐसे 52 पुराने कैपेसिटर बैंकों को चिह्नित किया था, जिनकी उपयोगी आयु पूरी हो चुकी थी और जो अपेक्षित कैपेसिटिव सपोर्ट नहीं दे पा रहे थे। इनके स्थान पर अधिक क्षमता वाले नए कैपेसिटर बैंक स्थापित किए गए हैं। इससे रिएक्टिव पावर कंपनसेशन क्षमता में अब तक 309 एमवीएआर की वृद्धि हुई है।

कैपेसिटर बैंक से वोल्टेज स्थिरता में मदद : श्री मंसूरी ने बताया कि सिंचाई पंप, औद्योगिक मोटर्स और अन्य विद्युत उपकरण सामान्यतः इंडक्टिव लोड उत्पन्न करते हैं, जिससे वोल्टेज में गिरावट और पावर फैक्टर में कमी आ सकती है।

कैपेसिटर बैंक आवश्यक रिएक्टिव पावर उपलब्ध कराकर इस प्रभाव की भरपाई करते हैं। इससे वोल्टेज प्रोफाइल में सुधार, पावर फैक्टर बेहतर बनाए रखने और पारेषण प्रणाली की दक्षता बढ़ाने में मदद मिलती है।

भारत के लिए खेलने का सपना अब भी जिंदा है: अभिमन्यु ईश्वरन

नई दिल्ली ,एजेसी। बंगाल के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले अभिमन्यु ईश्वरन 31 साल के हो चुके हैं। ईश्वरन घरेलू क्रिकेट का दिग्गज नाम हैं और लगातार रन बनाते हैं, इसके बावजूद भारतीय टीम के लिए डेब्यू करने का उनका सपना अब भी पूरा नहीं हो सका है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने कहा है कि टीम इंडिया के लिए डेब्यू का उनका सपना अब भी जिंदा है। अभिमन्यु ईश्वरन अपना 118वां फर्स्ट-क्लास गेम खेल रहे हैं। इनमें से 32 जुलाई 2018 से इंडिया के लिए आए हैं, और टेस्ट टीम में भी कॉल-अप हुए हैं, लेकिन



इंटरनेशनल डेब्यू अभी बाकी है। 31 साल के अभिमन्यु का कहना है कि इंडिया के लिए खेलने का उनका सपना अभी भी है, क्योंकि वह घरेलू सर्किट पर रन बना रहे हैं। रणजी ट्रॉफी के दूसरे राउंड में सर्विसेज के खिलाफ बंगाल के लिए 56 रन बनाने के बाद उन्होंने कहा, “जब मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया, तो सपना हमेशा देश के लिए खेलना था, और वह सपना अभी भी है। जब आप टीम में होते हैं और फिर आपको ड्रॉप कर दिया जाता है, तो आपके दिमाग में हमेशा कुछ बातें चलती रहती हैं, ‘मैं फिर से क्यों नहीं?’ ऐसे मामले हुए हैं, लेकिन कोई

बात नहीं, आपको इसकी आदत हो जाती है। ऐसा होता है, यह जिंदगी का हिस्सा है। इसके बारे में कहने के लिए ज्यादा कुछ नहीं है। समय के साथ, आप सीखते हैं। ‘ अभिमन्यु ने कहा, ‘आपका काम हमेशा यह होता है कि आप जिस भी टीम के लिए खेल रहे हों, उसके लिए अच्छा करें। एक प्लेयर के लिए सबसे बड़ा चैलेंज यह होता है कि वह हर दिन खेले और टीम को जो चाहिए वह करे। मुझे लगता है कि मैं इस समय इसका और अपने क्रिकेट का मजा ले रहा हूँ। ‘ उन्होंने कहा, ‘मेरा लक्ष्य हमेशा इंडिया के लिए खेलना है। उससे पहले, मैं

बंगाल के लिए खेलना चाहता था, क्योंकि वही जड़ है, वही रास्ता है। मुझे बंगाल के लिए खेलना पसंद है। यह मेरे लिए खुशी की बात है कि मैं बंगाल के लिए खेल रहा हूँ, बंगाल को लीड कर रहा हूँ। मुझे लगता है कि हर दिन खेलना, इस टीम का प्रतिनिधित्व करना बहुत अच्छा एहसास है। इस सीजन में रणजी ट्रॉफी जीतना ही हमारा लक्ष्य है। ‘ 2013 में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में बंगाल के लिए डेब्यू करने वाले ईश्वरन 117 मैचों की 200 पारियों में 27 शतक और 38 अर्धशतक की बदौलत 8,632 रन बना चुके हैं।



महिलाओं के जे2 जूडो इवेंट में कोकिला ने जीता सिल्वर मेडल

नागोया ,एजेसी। एशियन पैरा गेम्स 2026 में सोमवार को भारत की कोकिला ने महिलाओं के जे2 -52 किलोग्राम जूडो इवेंट में सिल्वर मेडल अपने नाम किया। आइची प्रीफेक्चुरल मार्शल आर्ट्स हॉल में खेले गए खिताबी मुकाबले में, किर्गिस्तान की ऐबिके उलानबेक किजी ने कोकिला को मात्र 21 सेकंड में ‘इपोन’ से हराया, जिसके चलते कोकिला को दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। कोकिला ने सेमीफाइनल में चीन की मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन यी लियू के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बनाई थी, जिसके साथ उनका मेडल भी पक्का हो गया था। हालांकि, फाइनल मुकाबले में भारतीय जूडो खिलाड़ी उस सफलता को दोहरा नहीं सकीं और उलानबेक किजी ने निर्णायक जीत हासिल करते हुए पहला स्थान अपने नाम किया। हार के बावजूद, कोकिला का सिल्वर मेडल भारतीय पैरा-जूडो के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। यह हांगझोऊ में हुए पिछले एशियन पैरा गेम्स में महिलाओं के 48 किलोग्राम वर्ग में जीते गए ब्रॉन्ज मेडल से बेहतर प्रदर्शन है। इस बार 52 किलोग्राम वर्ग

कर्नाटक के दमदार ऑलराउंडर टीम इंडिया की तरफ से सिर्फ एक मैच खेलने का मौका मिला

नई दिल्ली ,एजेसी। कृष्णप्पा गौतम ने एक गेंदबाजी ऑलराउंडर के तौर पर भारतीय क्रिकेट में पहचान बनाई थी। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उन्हें मौके न के बराबर मिले, लेकिन घरेलू क्रिकेट और आईपीएल के माध्यम से उन्होंने अपनी बेहतरीन गेंदबाजी और आक्रामक बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया। 37 साल के होने जा रहे कृष्णप्पा गौतम का जन्म 20 अक्टूबर 1988 को बेंगलूर, कर्नाटक में हुआ था। वह दाएं हाथ के ऑफ स्पिनर और दाएं हाथ के निचले क्रम के आक्रामक बल्लेबाज रहे हैं। कर्नाटक के लिए घरेलू क्रिकेट खेलने वाले गौतम ने 2012 में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में डेब्यू किया था। लिस्ट

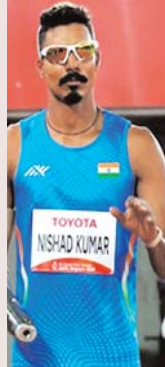
ए में 2017 में और टी20 में 2011 में कर्नाटक के लिए उनका डेब्यू हुआ था। लंबे समय तक घरेलू क्रिकेट में सक्रिय रहने और बेहतर प्रदर्शन करने के बाद गौतम को श्रीलंका के खिलाफ वनडे से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू का मौका मिला। 23 जुलाई 2021 को श्रीलंका के खिलाफ खेला गया यह मैच डेब्यू के साथ ही गौतम का आखिरी मैच भी साबित हुआ। उन्हें इसके बाद कभी टीम इंडिया में मौका नहीं मिला। इस मैच में उन्होंने 2 रन बनाने के साथ ही 1 विकेट लिया था। घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में कृष्णप्पा गौतम को मौके मिले, जहां उनकी ऑलराउंड क्षमता को भारतीय दर्शकों ने देखा।

2018 में आईपीएल डेब्यू करने वाले गौतम ने लीग में 36 मैच खेले। 2024 उनका आखिरी सीजन था। आईपीएल में वह राजस्थान रॉयल्स, पंजाब किंग्स और लखनऊ सुपर जायंट्स का हिस्सा रहे थे। 36 मैचों की 27 पारियों में 247 रन बनाने के साथ ही उन्होंने 21 विकेट लिए। घरेलू क्रिकेट में कर्नाटक की तरफ से खेलते हुए गौतम को तीनों फॉर्मेट में मौके मिले। 59 प्रथम श्रेणी मैचों में 224 विकेट और 1,419 रन, 68 लिस्ट ए मैचों में 96 विकेट और 630 रन, साथ ही 92 टी20 मैचों में 74 विकेट और 734 रन उनके नाम दर्ज हैं।

निषाद कुमार ने लहराया तिरंगा, टी47 लॉन्ग जंप में देश के लिए जीता गोल्ड मेडल

नागोया ,एजेसी। भारत के निषाद कुमार ने आइबी-नागोया में जारी एशियन पैरा गेम्स 2026 में सोमवार को पुरुषों की टी47 लॉन्ग जंप स्पर्धा में गोल्ड मेडल जीता। दो बार के पैरालंपिक रजत पदक विजेता निषाद ने सोमवार को 7.11 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग लगाकर अपने शानदार पैरा-एथलेटिक्स करियर में एक अप्रत्याशित स्वर्ण पदक जोड़ दिया। उज्बेकिस्तान के ओमादबेक खासानोव ने सबसे

करीबी चुनौती पेश करते हुए सीजन बेस्ट (6.99 मीटर) के साथ सिल्वर मेडल जीता। श्रीलंका के मोहम्मद साफरान ने 6.55 मीटर की सबसे अच्छी जंप के साथ पॉडियम फिनिश किया। हाई जंप में अपनी उपलब्धियों के लिए मशहूर निषाद ने एक ऐसे डिस्प्लिन में शानदार प्रदर्शन किया जो उनकी विशिष्टता के बाद दूसरे नंबर पर आता है। निषाद ने 6.95 मीटर की जंप के साथ शुरुआत करते हुए अपने दूसरे प्रयास में 7.09 मीटर के साथ बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद उन्होंने तीसरे राउंड में 7.11 मीटर की कोशिश के साथ अपनी बढ़त को बढ़ाया, जिसके बाद उनकी चौथी कोशिश में एक फाउल हुआ। भारतीय खिलाड़ी ने पांचवें राउंड में वापसी की और अपनी सबसे अच्छी दूरी के बराबर पहुंचने से पहले 7.07 मीटर के साथ अपना कैपेन खत्म किया। यह जीत इसलिए खास है, क्योंकि निषाद ने हाल ही में लॉन्ग जंप प्रतियोगिता में हिस्सा लिया है। भारतीय खिलाड़ी ने पिछले साल इस इवेंट में हिस्सा लेना शुरू किया था और इस डिस्प्लिन में कम प्रतिस्पर्धी अनुभव के साथ जापान पहुंचे थे। आइबी-नागोया में उनके प्रदर्शन ने उनकी वर्सेटाइल प्रतिभा और अपनी एथलेटिक खूबियों को दूसरे इवेंट में उताराने की काबिलियत को दिखाया। हालांकि, निषाद की जानी-मानी पहचान पुरुषों की टी47 हाई जंप में उनकी उपलब्धियों पर टिकी है। उन्होंने पेरिस 2024 पैरालंपिक में सिल्वर मेडल जीता था और इस डिस्प्लिन में वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड भी जीता है।



गुलबदीन नायब की कप्तानी में अफगानिस्तान टीम घोषित



नई दिल्ली ,एजेसी। अफगानिस्तान ने हांगकांग सिक्सेस 2026 के लिए गुलबदीन नायब की कप्तानी में सात सदस्यों की एक अनुभवही टीम का ऐलान किया है। यह टीम 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक टिन वॉशॉन ग्रैंड रिक्रिएशन ग्राउंड में होने वाले टूर्नामेंट में हिस्सा लेगी। गुलबदीन नायब की वाली टीम में फरमानुल्लाह सफी, इमरान मीर, अब्दुल रहमान, करीम जन्नत, नागेयालिया खारोटे और

सेदिकुल्लाह पाचा को जगह मिली है। अफगानिस्तान को ग्रुप डी में दक्षिण अफ्रीका और ओमान के साथ रखा गया है। सिक्स-ए-साइड फॉर्मेट में खेले जाने वाले मैचों में, टीमों को बॉल और फील्ड में डिस्प्लिन बनाए रखते हुए स्कोरिंग के मौके बनाने होंगे। हांगकांग सिक्सेस में हर टीम में छह खिलाड़ी और हर इनिंग में छह ओवर होते हैं। छोटा फॉर्मेट लंबे समय तक मजबूती के लिए

बहुत कम जगह छोड़ता है, जिससे हर तरह का योगदान खास तौर पर कीमती हो जाता है। अफगानिस्तान के कैपेन में नायब का इंटरनेशनल लेवल पर अनुभव बहुत काम आएगा। टीम का मकसद टूर्नामेंट की जरूरतों के हिसाब से तेजी से ढलना और एक मनोरंजक क्रिकेट देना होगा। अफगानिस्तान के हिस्सा लेने का स्वागत करते हुए, क्रिकेट हांगकांग, चीन के कमर्शियल और मार्केटिंग डायरेक्टर अनुराग भटनागर ने कहा कि टीम का तरीका टूर्नामेंट की अपील को और बढ़ाएगा। भटनागर ने कहा, ‘अफगानिस्तान लगातार खेल में जबरदस्त ऊर्जा और प्रतियोगी भावना लेकर आई है। हम हांगकांग सिक्सेस 2026 में उनकी टीम का स्वागत करते हुए बहुत खुश हैं। यह टूर्नामेंट क्रिकेट के उत्साह, मनोरंजन और तेज रफ्तार का जश्न मनाता है। अफगानिस्तान का आक्रामक अंदाज इसमें चार चांद लगाने का वादा करता है। हम टीम का स्वागत करने और फैसले को एक यादगार क्रिकेटिंग अनुभव देने के लिए उत्सुक हैं। ‘ हांगकांग सिक्सेस 2026 के लिए अफगानिस्तान की टीम: गुलबदीन नायब (कप्तान), फरमानुल्लाह सफी, इमरान मीर, अब्दुल रहमान, करीम जन्नत, नागेयालिया खारोटे, सेदिकुल्लाह पाचा।

भारत का खाता खुला, मोना अग्रवाल ने गोल्ड और अवनि लेखरा ने जीता सिल्वर



टोयोटा ,एजेसी। भारतीय शूटर मोना अग्रवाल और अवनि लेखरा ने सोमवार को यहां ऐची प्रीफ. जनरल शूटिंग गैलरी में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्टैंडिंग एसएच1 इवेंट में गोल्ड और सिल्वर मेडल जीता। मोना ने एशियन पैरा गेम्स का रिकॉर्ड 250 का स्कोर बनाकर गोल्ड मेडल जीता, जबकि अवनि ने 249.6 का स्कोर बनाकर सिल्वर मेडल जीता। इन पदकों के साथ एशियन पैरा गेम्स 2026 में भारत का खाता खुला। दक्षिण कोरिया की युनरी ली ने 227.9 के स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। मोना ने हमवतन अवनि का एशियाई पैरा गेम्स का 249.6 का रिकॉर्ड तोड़ दिया। वह स्लोवाकिया की इरीना शचेतनिक के 252 का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ने से चूक गईं। अवनि ने इस जीत के साथ 2028 पैरालंपिक गेम्स के लिए कोटा भी

हासिल कर लिया है। मोना ने पिछले महीने वर्ल्ड चैंपियनशिप के दौरान अपनी जगह पक्की की थी। इससे पहले मोना और अवनि ने क्वालीफिकेशन राउंड में भी टॉप किया था। मोना ने छह सीरीज के बाद 629.1 पॉइंट्स के साथ टॉप किया, जिससे एशियन पैरा गेम्स का नया क्वालीफिकेशन रिकॉर्ड बना और चीन की झांग कुईपिंग के पिछले मार्क को पीछे छोड़ दिया। अवनि ने 626.4 पॉइंट्स जमा करके क्वालीफिकेशन स्टैंडिंग में दूसरा स्थान हासिल किया, जिससे मेडल तय करने वाले राउंड में भारत के लिए पहला-दो स्थान पक्का हो गया। इस बीच, मोना ने पिछले महीने चांगवोन में डब्ल्यूएसपीएस वर्ल्ड चैंपियनशिप में लॉस एंजिल्स पैरालंपिक गेम्स के लिए भारत के लिए पहला कोटा हासिल किया था।

चीन की मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन को हराकर भारतीय जूडोका कोकिला ने फाइनल में जगह बनाई



नागोया ,एजेसी। भारत की कोकिला ने सोमवार को आइबी-नागोया में 2026 एशियन पैरा गेम्स में महिलाओं की जे2-52 किग्रा गोल्ड मेडल बाउट में अपनी जगह पक्की कर ली। उन्होंने सेमीफाइनल में चीन की मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन यी लियू को हराया। कोकिला ने 1-0 से जीत हासिल की। फाइनल में पहुंचने के साथ ही कोकिला ने देश के लिए कम से कम सिल्वर मेडल पक्का कर दिया है। सेमीफाइनल में भारत और चीन दोनों ही

देशों की जूडोका ने टेक्निकल स्कोरिंग के जरिए बहुत बनाने की कोशिश की। कोकिला ने जूडो में दूसरा सबसे बड़ा टेक्निकल स्कोर, वाजा-अरी, और अस्सरदार टेक्निक के लिए युको स्कोर किया। लियू ने भी मुकाबले के दौरान वाजा-अरी किया, जबकि कोकिला को एक छोटे से नियम के उल्लंघन के लिए शिजो पेनल्टी मिली। कोकिला ने हांगझोऊ 2023 एशियन पैरा गेम्स में महिलाओं की -48 किग्रा कैटेगरी में ब्रॉन्ज मेडल जीता था। इस बार एक अलग वेट कैटेगरी में मुकाबला करते हुए उनके पास अपने मेडल के रंग को बदलने का अवसर है। कोकिला फाइनल में किर्गिस्तान की ऐबिक उलानबेक काजी से मुकाबला होगा। आइबी-नागोया में कोकिला का कैपेन इंटरनेशनल स्टेज पर उनके अनुभव को बढ़ाता है। उन्होंने पेरिस 2024 पैरालंपिक में भी भारत का प्रतिनिधित्व किया है। इस डिस्प्लिन में लॉडिंग कॉम्पिटिटर्स में से एक, लियू के खिलाफ उनका परफॉर्मंस फाइनल से पहले उन्हें बढ़ावा देगा। पैरा-जूडो में जे2 वर्ग उन एथलीटों के लिए बनाया गया है जिन्हें देखने में दिक्कत होती है, जो प्रतियोगी मैट पर फायदा पाने के लिए अपनी टेक्निकल काबिलियत, संतुलन और टैक्टिकल अव्ययर्सेस पर भरोसा करते हैं।



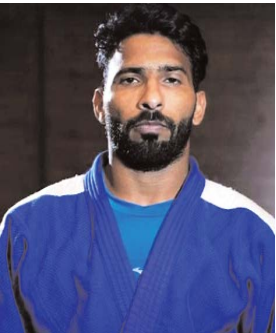
शीतल देवी, तोमन कुमार ने कंपाउंड मिक्स्ट वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा

ओकाजाकी ,एजेसी। भारतीय स्टार तीरंदाज शीतल देवी और तोमन कुमार ने सोमवार को ओकाजाकी के ओकाजाकी चुओ सोगो पार्क मल्टीपर्पस स्क्वायर में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीरंदाजी इवेंट में पैरा कंपाउंड मिक्स्ट टीम वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ दिया। भारतीय तीरंदाजों ने रैंकिंग राउंड में कुल 1402 पॉइंट्स बनाकर शीतल और राकेश कुमार के 1400 पॉइंट्स के पिछले वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ दिया। शीतल और राकेश दोनों ने पिछला रिकॉर्ड इस साल की शुरुआत में अहमदाबाद में वर्ल्ड पैरा आर्चरी

सीरीज में बनाया था। यह कुछ अंतर से एशियन पैरा गेम्स का रिकॉर्ड भी था। गेम्स में पिछला रिकॉर्ड चीन ने 2023 हांगझोऊ गेम्स में बनाया था, जहां उन्होंने 1382 पॉइंट्स बनाए थे। तोमन ने पुरुषों के कंपाउंड रैंकिंग राउंड में संभावित 720 पॉइंट्स में से 698 पॉइंट्स बनाए, जबकि शीतल ने महिलाओं के रैंकिंग राउंड में 704 पॉइंट्स बनाए। रैंकिंग राउंड के दौरान, शीतल का 704 स्कोर एक नया एशियन रिकॉर्ड और संयुक्त वर्ल्ड रिकॉर्ड भी था, जो उनके शानदार करियर में और इजाफा करता है। यह जोड़ी फाइनल में गोल्ड जीतने के लिए फेवरेट में से एक होगी। शीतल व्यक्तिगत क्वालीफिकेशन में

704 के स्कोर के साथ टॉप पर रहीं। सिंगापुर की नूर सैयदा अलीम 683 पॉइंट्स के साथ दूसरे नंबर पर रहीं, जो चीन की जुएफिंग जू (680) से आगे थीं। पुरुषों के व्यक्तिगत कंपाउंड रैंकिंग इवेंट में, तोमन 698 के परसल बेस्ट स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। चीन की चियेंग झांग ने 708 पॉइंट बनाकर एशियन रिकॉर्ड तोड़ा। इस बीच, शीतल ने हांगझोऊ में 2023 एशियन पैरा गेम्स में महिलाओं के कंपाउंड व्यक्तिगत इवेंट में गोल्ड जीता और फिर 2024 में पेरिस पैरालंपिक में ब्रॉन्ज मेडल जीता। कम उम्र के बावजूद शीतल ने इस खेल के एलीट खिलाड़ियों में अपनी जगह बनाई है।

कपिल परमार ने जूडो में ब्रॉन्ज मेडल जीता, खेल मंत्री मांडविया ने दी बधाई



नागोया ,एजेसी। भारत के कपिल परमार ने सोमवार को 2026 एशियन पैरा गेम्स में पुरुषों के जे1-70 किग्रा पैरा-जूडो इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता। उन्होंने आइबी प्रीफेक्चुरल मार्शल आर्ट्स हॉल में इंडोनेशिया के राफली अहनाफ शिदकी को सिर्फ एक मिनट और नौ सेकंड में इपोन से हराया। इस जीत के साथ भारत ने कॉम्पिटिशन के पहले दिन तीसरा मेडल जीता। खेल मंत्री मांडविया ने परमार को बधाई दी है। खेल मंत्री मांडविया ने एक्स पर परमार को बधाई देते हुए लिखा, ‘भारत के लिए गर्व का पल, कपिल परमार ने एशियन पैरा गेम्स 2026 में पैरा जूडो में ब्रॉन्ज मेडल जीता।’ परमार का सफर मंगोलिया के बातरसुरेन बैट-एर्डीन के खिलाफ कड़े क्वार्टर फाइनल से शुरू हुआ। गोल्डन स्कोर के दौरान चार मिनट और 53 सेकंड के एक्शन के बाद भारतीय खिलाड़ी ने इपोन से जीत हासिल की और मजबूत प्रदर्शन के साथ सेमीफाइनल में पहुंच गए। हालांकि, गोल्ड मेडल के लिए उनका मुकाबला तब खत्म हो गया, जब इंडोनेशिया के जुनेदी ने उन्हें आखिरी चार में इपोन से हरा दिया। परमार ने ब्रॉन्ज मेडल के मुकाबले के लिए फिर से तैयारी की और शानदार प्रदर्शन करते हुए शिदकी के खिलाफ मुकाबला सिर्फ 69 सेकंड में खत्म कर दिया। सेमीफाइनल में हार के बाद परमार की यह सफलता उनकी कड़ी मेहनत और दृढ़ निश्चय का परिणाम है। यह नई कामयाबी मध्य प्रदेश के सीहोर के जूडोका के शानदार करियर में और जुड़ गई है, जो 2017 से पैरा-जूडो में हिस्सा ले रहे हैं। जे1 कैटेगरी (दिखने में दिक्कत वाले एथलीटों के लिए) में परमार ने कोच मुनव्वर अंजार अली सिद्दीकी के मार्गदर्शन में भारत के सबसे अच्छे कॉम्पिटिटर्स में से एक के तौर पर अपनी जगह बनाई है।

संक्षिप्त समाचार

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने मां काली और मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज शाम राजधानी रायपुर स्थित प्रसिद्ध मां काली मंदिर, कालीबाड़ी एवं दुर्गा पूजा पंडाल पहुंचे। मुख्यमंत्री ने विधि-विधान से मां काली एवं मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली एवं उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामना की। उन्होंने मां के चरणों में शीश नवाकर छत्तीसगढ़ में सुख, शांति और समृद्धि बनाए रखने का आशीर्वाद मांगा। मुख्यमंत्री श्री साय ने श्रद्धा एवं भक्तिभाव से मां भगवती की आराधना करते हुए प्रदेश की निरंतर प्रगति तथा प्रत्येक परिवार के जीवन में सुख और समृद्धि की कामना की। उन्होंने कहा कि शक्ति की आराधना का यह पावन अवसर हमें अपनी आस्था, संस्कृति और गौरवशाली परंपराओं से जोड़ता है। मां दुर्गा शक्ति, साहस और साहसार्थक ऊर्जा की प्रतीक हैं। उनकी आराधना हमें जीवन की चुनौतियों का साहसपूर्वक सामना करने तथा सत्य, धर्म और सदाचार के मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान अपनी समृद्ध संस्कृति, लोक परंपराओं और धार्मिक आस्था से भी है। हमारे पर्व और उत्सव केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता, आपसी प्रेम और भाईचारे को मजबूत करने वाले अवसर भी हैं। ऐसे आयोजन समाज के विभिन्न वर्गों को एक सूत्र में जोड़ते हैं और नई पीढ़ी को हमारी सांस्कृतिक विरासत तथा जीवन मूल्यों से परिचित कराते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नवरात्रि और दुर्गा पूजा के अवसर पर पूरे प्रदेश में श्रद्धा और उत्साह का वातावरण है। शक्ति की उपासना का यह पर्व हमें मातृशक्ति के सम्मान और समाज में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका का भी स्मरण कराता है। हमारी संस्कृति में नारी शक्ति को सदैव सर्वोच्च स्थान दिया गया है।

प्रोजेक्ट आंगन लक्ष्मी से ग्रामीण महिलाओं को मिलेगा आत्मनिर्भरता का संवल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत धमतरी जिले में ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, उनकी आजीविका के साधनों का विस्तार करने तथा पशुपालन को लाभकारी व्यवसाय के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से प्रोजेक्ट आंगन लक्ष्मी की शुरुआत की जा रही है। प्रस्तावित यह पहल महिला स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को पशु उद्यमी के रूप में विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इसके माध्यम से ग्रामीण महिलाओं के लिए स्वरोजगार के नए अवसर सृजित करने और परिवारों की आर्थिक सुरक्षा को मजबूत करने पर जोर दिया जाएगा।जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री जयंत नाहटा के निर्देशन में यह पहल की शुरुआत होगी । कृषि के साथ आय के अतिरिक्त साधन विकसित करने पर जोर धमतरी जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में बड़ी संख्या में परिवार कृषि एवं मौसमी मजदूरी पर निर्भर हैं। धान की एक प्रमुख फसल, सीमित रोजगार अवसर और मौसम तथा बाजार की अनिश्चितताओं के कारण कई परिवारों को वर्षभर निर्यामित आय बनाए रखने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

छत्तीसगढ़ हॉकी लीग भारत की पहली ऑफिशियल स्टेट लीग की शुरुआत करेगी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग का पहला सीजन 22 अक्टूबर 2026 को रायपुर के सरदार वल्लभभाई पटेल इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम में राजधानी राँयल्स और न्यायधानी नाइट्स के बीच मैच के साथ शुरू होगा। छह टीमों के बीच कुल 18 मैच खेले जाएंगे और अखिरी दो टीमें 1 नवंबर को एक रोमांचक फाइनल खेलेंगी। छत्तीसगढ़ हॉकी लीग के लीग एक्सेसडर सरदार सिंह ने कहा, ‘छत्तीसगढ़ हॉकी लीग की शुरुआत एक ऐसी पहल है जो सभी के लिए एक बेवमार्क सेट करती है और मुझे विश्वास है कि छत्तीसगढ़ के हॉकी खिलाड़ियों को इससे बहुत फायदा होगा। CHL का लीग एक्सेसडर बनना मेरे लिए छत्तीसगढ़ के टैलेन्टेड खिलाड़ियों को पोटेंशियल नेशनल और इंटरनेशनल स्तर बनाने में मदद करेगा का एक शानदार मौका है। पूरी हॉकी फ्रेटर्निटी की नज़रें इस लीग पर होंगी। सभी टीमें एक्सपीरियंस और रैं टैलेंट के परफेक्ट मिक्स के साथ अच्छी तरह से बैलेंस्ड हैं। मुझे विश्वास है कि पहले सीजन में दिखाई देने वाला हॉकी का लेवल सोशल होने वाला है।’ छत्तीसगढ़ हॉकी लीग (CHL) छत्तीसगढ़ की पहली ऑफिशियल स्टेट-लेवल हॉकी लीग है।,

देवी पंडाल बने जनसमस्या निवारण के केंद्र, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने मां दुर्गा के चरणों में बैठकर सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

नवरात्रि के पावन पर्व पर उप मुख्यमंत्री ने कबीरधाम के विभिन्न गांवों का किया दौरा, देवी दर्शन के साथ ग्रामीणों से किया सीधा संवाद

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने नवरात्रि के पावन पर्व पर कबीरधाम जिले के विभिन्न गांवों का दौरा कर देवी पंडालों और मंदिरों में दर्शन-पूजन किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से आत्मीय मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और विभिन्न विकास कार्यों की घोषणाएं कीं। विशेष रूप से ग्राम मढ़मढ़ा में देवी पंडाल जनसमस्या निवारण के केंद्र के रूप में नजर आया, जहां उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने मां दुर्गा के चरणों के समीप बैठकर ग्रामीणों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याओं का निराकरण किया।

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा कवर्धा ग्रामीण मंडल के ग्राम मढ़मढ़ा में आयोजित जनसंपर्क कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने मां दुर्गा के दर्शन कर आशीर्वाद लिया और पंडाल में ही ग्रामीणों के बीच बैठकर उनकी समस्याएं एवं मांगें सुनीं। ग्रामीणों की मांग पर उन्होंने देहान के पास 3 लाख रुपए की लागत से मंच निर्माण, यादव समाज के सामुदायिक भवन में अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए 6 लाख 50



हजार रुपए, वीबी जीरामजी के अंतर्गत मुक्तिधाम में शेड निर्माण तथा पटेल समाज भवन में किचन शेड निर्माण की घोषणा की। इसके साथ ही ग्राम के वार्ड क्रमांक 9 में 6 लाख 50 हजार रुपए की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण और देहान के पास एक एचपी

क्षमता का बोर स्थापित करने की घोषणा की। उन्होंने ग्राम की सड़कों के विकास के लिए 30 लाख रुपए के श्रममूलक कार्य तथा 15 लाख रुपए के मुरमीकरण कार्यों की भी घोषणा की। उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ग्राम मैनपुरी पहुंचकर दुर्गा पंडाल में मां दुर्गा के दर्शन किए। उन्होंने

स्व-सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भर बनीं दुर्ग की सोनिया साहू

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। ग्रामीण इलाकों में स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं बैंक सखी (या बीसी सखी - बैंकिंग कोरस्पोंडेंट सखी) के रूप में कार्य कर रही हैं। ये ग्रामीण नागरिकों को उनके गांव में ही बैंकिंग और वित्तीय सेवाएं उपलब्ध कराती हैं। ग्रामीणों के नए बैंक खाते खोलना और आधार सौझिं करना। डायरेक्ट बेंनिफिट ट्रांसफर, पेंशन भुगतान और छात्रवृत्ति की राशि का वितरण करना। स्व-सहायता समूहों से जुड़कर महिलाएं आज आत्मनिर्भरता की एक नई मिसाल पेश कर रही हैं। शासन की विभिन्न योजनाओं और प्रशिक्षण



का लाभ उठाकर महिलाएं न सिर्फ अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत कर रही हैं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को जरूरी सेवाएं उपलब्ध कराने में भी अहम योगदान दे रही हैं। ऐसी ही एक प्रेरणादायक कहानी ग्राम बोडेगांव निवासी श्रीमती सोनिया साहू की सामने आई है।

बैंक सखी के रूप में कार्य-स्व-सहायता समूह से जुड़ने और उचित प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद श्रीमती सोनिया साहू वर्तमान में ग्रामीण

काफी बढ़ाया है और उन्हें महिला सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी है। श्रीमती सोनिया साहू का कहना है कि स्व-सहायता समूह से जुड़ने और प्रशिक्षण मिलने से उन्हें जीवन में आगे बढ़ने का सुनहरा अवसर मिला है। वह इस पहल से बेहद खुश हैं और ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के निरंतर प्रयासों के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करती हैं।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने ग्राम लोहड़ारी में ग्रामीणों के बीच बैठकर किया सीधा संवाद



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा आज कबीरधाम जिले के ग्राम लोहड़ारी पहुंचे, जहां उन्होंने अपने चिर-परिचित सहज अंदाज में ग्रामीणों के बीच जमीन में बैठकर उनकी मांग, समस्याएं सुनीं और गांव की जरूरतों पर चर्चा की। महामाया मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना के बाद उन्होंने मंदिर परिसर में ही ग्रामीणों से सीधा संवाद किया।

इस दौरान ग्रामीणों ने गांव से जुड़ी मांगें रखीं, जिन पर उपमुख्यमंत्री ने त्वरित पहल करते हुए विभिन्न विकास कार्यों के लिए कुल 20 लाख 20 हजार रुपए की घोषणा की।

उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने ग्राम लोहड़ारी में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए चार सीसी रोड निर्माण हेतु 10 लाख 40 हजार रुपए की घोषणा की। इसके साथ समृद्धि की कामना के बाद उन्होंने मंदिर परिसर में ही ग्रामीणों से सीधा संवाद किया।

धमतरी जिला के मोंगरागहन में मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन



मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संचालित 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत ग्राम मोंगरागहन में एक दिवसीय विशाल निःशुल्क मेगा स्वास्थ्य शिविर

का सफल आयोजन किया गया। कलेक्टर धमतरी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा जिला कार्यक्रम प्रबंधक के मार्गदर्शन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुजरा द्वारा आयोजित इस शिविर में क्षेत्र के 641 ग्रामीणों ने अपना

सेवा संकल्प अभियान के अंतिम दिन जिला अस्पताल कोंडागांव में मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

शिविर में 474 मरीजों का पंजीयन, विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं से हुए लाभान्वित

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सेवा संकल्प अभियान के अंतिम दिन आज जिला चिकित्सालय कोण्डागांव में मेगा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष एवं कोण्डागांव विधायक सुश्री लता उसेंडी उपस्थित रहीं। कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना के निर्देशानुसार आयोजित शिविर में जिलेभर से बड़ी संख्या में नागरिक स्वास्थ्य जांच एवं उपचार के लिए पहुंचे। शिविर में कुल 474 मरीजों का पंजीयन कर उन्हें विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं।

स्वस्थ नागरिक ही स्वस्थ समाज और राष्ट्र का आधार: सुश्री लता उसेंडी- इस अवसर पर विधायक सुश्री लता उसेंडी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सेवा एवं संकल्प



के उपलक्ष्य में एक माह तक विभिन्न सेवा गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसका समापन मेगा स्वास्थ्य शिविर के साथ हो रहा है। उन्होंने कहा कि जब हम स्वस्थ रहेंगे, तभी हमारा समाज, राज्य और राष्ट्र स्वस्थ रहेगा। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आयुष्मान भारत योजना के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को

में 145 हितग्राहियों की प्रयोगशाला जांच की गई। इसके अतिरिक्त गैर-संचारी रोगों से संबंधित 74, नेत्र रोग के 40, नाक-कान-गला रोग के 23, दंत रोग के 12, मेडिसिन के 25, सर्जरी के 25 तथा सामान्य रोगों से संबंधित 52 मरीजों की जांच की गई। शिविर में 100 हितग्राहियों का एक्स-रे किया गया तथा 80 हितग्राहियों को प्रसूति संबंधी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं।

दिव्यांगजनों को प्रमाण पत्र, टीबी मरीजों को पोषण सहायता-इस दौरान विधायक सुश्री उसेंडी एवं कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना ने 17 हितग्राहियों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र वितरित किए। वहीं, टीबी से पीड़ित पांच मरीजों को पोषण सहायता के रूप में फूड बास्केट प्रदान की गई। साथ ही 200 महिलाओं को निःशुल्क सैनटरी पैड वितरित किए गए।

ग्रामीण विकास में पंच-सरपंचों की सक्रिय भागीदारी जरूरी-वन मंत्री श्री केदार कश्यप



जाकर लोगों को योजनाओं के उद्देश्य और लाभ की जानकारी दें। पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रशासन के साथ समन्वय बनाकर काम करें। उन्होंने कहा कि जनविश्वास और जनभागीदारी से ही ग्रामीण विकास की योजनाओं के हितकर परिणाम सामने आएंगे। कश्यप ने पंचायतों में स्वीकृत निर्माण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर समय-सीमा में पूरा करने की बात कही। उन्होंने कहा कि स्कूल भवन, आंगनवाड़ी केंद्र, छात्रावास, सामुदायिक भवन, बालिका शौचालय, मुक्तिधाम, सड़क, पुल-पुलिया और महतारी सड़क जैसे जनोपयोगी कार्यों का समय सीमा में पूर्णता पर विशेष जोर देते हुए कहा कि पंचायत प्रतिनिधि निर्माण कार्यों

की गुणवत्ता और प्रगति की नियमित निगरानी करें, ताकि ग्रामीणों को जल्द बेहतर सुविधाएं मिल सकें। स्थानीय संसाधनों पर आधारित आजीविका गतिविधियों को प्रोत्साहित करने पर जोर वन मंत्री ने ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने के लिए स्थानीय संसाधनों पर आधारित आजीविका गतिविधियों को प्रोत्साहित करने पर भी जोर दिया। उन्होंने मछली पालन और बतख पालन के लिए क्षेत्र की संभावनाओं के अनुरूप कार्ययोजना तैयार करने तथा पात्र हितग्राहियों को इन गतिविधियों से जोड़ने के निर्देश दिए। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ राज्य लघु वनोपज संघ के अध्यक्ष श्री रूपसाय सलाम, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री नारायण मरकाम, नगर पालिका अध्यक्ष श्री इंद्र प्रसाद बघेल, कलेक्टर श्रीमती नम्रता जैन, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री चित्रकांत चाली ठाकुर सहित पंचायत प्रतिनिधि और संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

641 ग्रामीणों को मिला निःशुल्क उपचार, 51 हितग्राहियों को बाटे गए वस्त्रे

पंजीयन करारकर विशेषज्ञ डॉक्टरों से निःशुल्क जांच, परामर्श, उपचार एवं दवाओं का लाभ उठाया।

शिविर का भव्य शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष धमतरी द्वारा किया गया। इस अवसर पर जिला पंचायत स्वास्थ्य सभापति, जनपद सदस्य, मोंगरागहन और कोडेगांव सरपंच, अल्पसंख्यक मोर्चा के उपाध्यक्ष और गंगरेल महामंत्री सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

समारोह को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष धमतरी ने कहा कि स्वस्थ समाज के निर्माण के लिए गांव-गांव तक स्वास्थ्य सुविधाओं की पहुंच बेहद जरूरी है। उन्होंने बताया कि सेवा संकल्प अभियान का मूल उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी

योजनाओं और सेवाओं का सीधा लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। ग्रामीण क्षेत्रों में इस प्रकार के मेगा शिविरों से लोगों को उनके घर के समीप ही विशेषज्ञ चिकित्सकों का परामर्श मिल जाता है, जिससे गंभीर बीमारियों की समय पर पहचान और उपचार संभव हो पाता है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे आर्थिक या भौगोलिक कारणों से इलाज में देरी न करें, नियमित स्वास्थ्य जांच कराएं तथा टीबी जैसी बीमारियों के प्रति सजग रहकर स्वच्छता एवं संतुलित जीवनशैली अपनाएं।

शिविर के दौरान विभिन्न रोगों के विशेषज्ञ चिकित्सकों ने अपनी सेवाएं दीं। सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण के तहत 220 मरीजों का इलाज किया गया। नेत्र जांच में पहुंचे 120 मरीजों में से 51 जरूरतमंदों को तत्काल

निःशुल्क चर्चसे इतिरित किए गए। इसके अलावा दंत रोग के 83, आयुर्वेद चिकित्सा के 81, स्त्री रोग के 76, नाक-कान-गला रोग के 68, हड्डी रोग के 63 और शिशु रोग के 50 मरीजों को गहन जांच कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय सलाह दी गई। ग्रामीणों की सुविधा के लिए शिविर स्थल पर ही पैथोलॉजी जांच की व्यवस्था की गई थी, जिसमें 109 मरीजों की शुगर, 102 की हीमोग्लोबिन, 100 की सिकलिंग, 15 की मलेरिया, 10 की ब्लड ग्रुप तथा 10 मरीजों की वीडीआरएल जांच की गई। सिकलिंग जांच के दौरान दो मरीज जॉइंटिव पाए गए, जिन्हें अग्रिम इलाज और देखभाल के लिए मार्गदर्शन दिया गया। इसके साथ ही 315 मरीजों के रक्तचाप (बीपी) की जांच कर उन्हें सेहतमंद जीवनशैली अपनाने के उपाय बताए गए।